केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो० 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो० 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :48 अंक 22 सोमवार 10 अगस्त 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

कांवरिया सेवादार की सड़क हादसे में मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। एक कांवरिया सेवादार की सड़क हादसे में मौत हो गई। छावनी थानाक्षेत्र के जमौलिया गांव के सामने हाइवे पर शनिवार रात 8 बजे अज्ञात वाहन की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इलाज के दौरान शनिवार मध्य रात्रि को उनकी मृत्यु हो गई।

मृतक की पहचान अतरौरा झाम निवासी 45 वर्षीय राम अवतार पुत्र दुबरी के रूप में हुई है। वह किसी काम से जमौलिया गांव गए थे। वापस लौटते समय, बस्ती–अयोध्या लेन पर सड़क पार करते हुए एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों की मदद से घायल राम अवतार को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विक्रमजोत में भर्ती कराया गया। उनकी गंभीर हालत को देखते हुए, चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अयोध्या जनपद के दर्शननगर स्थित मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया था। मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान शनिवार मध्य रात्रि करीब 1 बजे को राम अवतार ने दम तोड़ दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सड़क हादसे में मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती में अयोध्या–बस्ती राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार सुबह सड़क हादसे में छावनी थाना क्षेत्र के सोनबरसा गांव निवासी राहुल पाठक (40) पुत्र चंद्रभान पाठक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

श्रावण मास वेद कथा सुनने और सुनाने का महापर्व

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सावन के महीने में भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए रुद्राभिषेक, कावड़ यात्रा, रुद्र स्तवन और जलाभिषेक के द्वारा भक्तजन अपने कुटुम्ब, समाज और देश के कल्याण की कामना करते हैं। आर्य समाज इस समय आम जनमानस को वेद कथा का अमृत पान और अपने गौरवमयी वैदिक संस्कृति से परिचित कराता है। यह मास मुख्य रूप से वेद कथा सुनने और सुनाने का महापर्व है जो वैदिक काल से ही आयोजित होता रहा है। आर्य समाज नई बाजार बस्ती में आयोजित वैदिक यज्ञ और सत्संग कार्यक्रम में बोलते हुए आर्य समाज के प्रधान ओम प्रकाश आर्य बताते हैं आर्य समाज एक आदर्श समाज के निर्माण के लिए अविद्या के नाश और विद्या की वृद्धि के लिए तत्पर है। आर्य ने बताया कि वेद सब सत्य विद्याओं की पुस्तक है इसके गूढ़ रहस्यों को सरल भाषा व भजनों के माध्यम से आमजनमानस को समझाने के लिए योगी संत महात्मा गृहस्थों के यहां आकर उन्हें वेद ज्ञान से लाभान्वित करते हैं। इस अवसर पर यज्ञ कराते हुए योगाचार्य गरुण ध्वज पाण्डेय और शिक्षक नितीश कुमार ने आम जनमानस से इस पावन माह में यज्ञ, योग, तप, स्वाध्याय और दान का अनुष्ठान करने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि ऐसा करने से समाज में सात्विक विचारधारा और आपसी सामंजस्य का वातावरण विकसित होगा और एक आदर्श समाज का निर्माण हो सकेगा। इस अवसर पर कार्यक्रम में सम्मिलित लोगों ने शिवशंकल्प के मंत्रों से आहुतियां देते हुए लोककल्याण की कामना की।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से अरविन्द साहू, कार्तिकेय, कार्तिक, कृष्णा, गणेश आर्य, धर्मेंद्र कुमार, शिव श्याम, रजनीश कुमार, नवल किशोर चौधरी, राजेश्वरी, रिमझिम, दृष्टि मोदनवाल, परी, पुनीत राज, शुभम राजभर, हिमांशु, ऋषि कुमार, महिमा, राधा देवी, नंदिनी, निधि, और अर्पिता सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

रांची में छात्रों का प्रदर्शन जारी: 3 ने दिया त्याग पत्र

रांची (आभा)। झारखंड में आंदोलनकारी छात्रों और सरकार के बीच हुई बातचीत के बाद एक और बड़ी कार्रवाई की गई है। झारखंड लोक सेवा आयोग के तीन सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया है। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने उनका इस्तीफा स्वीकार भी कर लिया है। लोक भवन ने जानकारी देते हुए बताया है कि झारखंड लोक सेवा आयोग के सदस्य अजिता भट्टाचार्य, अनिमा हांसदा और जमाल अहमद के इस्तीफे को राज्य सरकार की सिफारिश पर स्वीकार कर लिया गया है।

रांची में प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ झारखंड सरकार के ग्रुप ऑफ मिनिस्टर ने रविवार को दूसरे दौर की बातचीत की। बैठक के बाद मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने मीडिया को संबोधित किया और बताया कि सरकार जेएसएससी सीजीएल परीक्षा रद्द नहीं कर सकती। हालांकि उन्होंने बताया कि 14 जेपीएससी और 23 और 25 के बैकलॉग की जांच दो तरीके से होगी। ईडी वित्तीय अनियमिताओं की जांच करेगी जबकि आपराधिक मामलों की जांच सीआईडी करेगी। वहीं छात्र सीबीआई जांच करवाने के लिए अड़े हुए हैं। बैठक के बाद छात्र नेताओं ने कहा है कि उनका आंदोलन जारी रहेगा। सुदिव्य कुमार सोनू ने आगे बताया कि 'सीआईडी की जांच में मॉनिटरिंग के लिए सेवानिवृत्त जजों की एक कमेटी बनाई जाएगी। जेएसएससी सीजीएल परीक्षा सरकार रद्द नहीं कर सकती, क्योंकि परीक्षा हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में ली गई है। रिफॉर्म (परीक्षा में सुधार) के लिए आईआईएम और एक्सएलआरआई से गाइडेंस लिया जाएगा।' उन्होंने कहा कि फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन किया जाएगा और 90 दिनों के अंदर चार्जशीट जमा की जाएगी। रिफॉर्म के मुद्दे पर आईआईटी–आईएसएम, आईआईएम रांची और एक्सएलआरआई के विशेषज्ञों की एक केमिटी बनाकर रिफॉर्म किया जाएगा।

विश्व आदिवासी दिवस पर निकली शोभा यात्रा, सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । विश्व आदिवासी दिवस पर एपीएनपीजी कालेज परिसर से जिलाधिकारी कार्यालय तक रविवार को शोभा यात्रा निकाली गई। इसके बाद जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी सदर को देकर समस्याओं के निस्तारण की मांग किया गया। ज्ञापन में मांग किया गया है कि बस्ती मण्डल मुख्यालय पर महारानी दुर्गावती, भगवान विरसा मुण्डा की प्रतिमा स्थापित कराये जाने, शासनादेश के अनुरूप अनुसूचित जन जाति का प्रमाण–पत्र उपलब्ध कराने, आदिवासी संस्कृति के विस्तार हेतु आदिवासी गीतों एवं नाट्य, गोण्डवाना नृत्य का आयोजन सरकारी स्तर पर कराये जाने आदि की मांग शामिल है।

–महारानी दुर्गावती, भगवान विरसा मुण्डा की प्रतिमा स्थापित कराये जाने की मांग

विश्व आदिवासी दिवस पर निकले शोभा यात्रा में तीर धनुष के साथ आदिवसी भेषभूषा में नृत्य आकर्षण का केन्द्र रहा।

कार्यक्रम संयोजक गुड्डू कुमार गोंड और प्रमोद गोंड, अमित गोंड ने ज्ञापन देने के बाद कहा कि आदिवासी जमीन के लिए आज भी संघर्ष कर रहा है, विकास के नाम पर आदिवासियों की जमीन छीनी जा रही है, साथ ही गैरकानूनी तरीके से भी उनके जमीन पर कब्जा हो रहा है. सच्चाई यह है कि अगर जमीन नहीं होगी, तो आदिवासी नहीं रहेगा और ना ही उनकी सभ्यता और संस्कृति रहेगी। कहा कि आदिवासी आबादी के अधिकारों को बढ़ावा देने और उनकी सुरक्षा के लिए प्रत्येक वर्ष 9 अगस्त को विश्व के आदिवासी लोगों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। यह घटना उन उपलब्धियों और योगदानों को भी स्वीकार करती है जो आदिवासी लोग पर्यावरण संरक्षण जैसे विश्व के मुद्दों को बेहतर बनाने के लिए करते हैं। यह पहली बार संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दिसंबर 1994 में घोषित किया गया था।

वरिष्ठ समाजसेवी राजेन्द्र प्रसाद गोंड ने कहा कि आदिवासी समाज के अधिकार, जल, जंगल, जमीन की रक्षा होने के साथ ही उन्हें केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले इस दिशा में संघर्ष जारी रहेगा।

शोभा यात्रा और ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से अरूण गोंड, दयाराम गोंड, गोंड महेश चन्द्रबंशी, शुभम गोंड, प्रमेश गोंड, आशुतोष गोंड, विजय कुमार, अजय कुमार, जैस, सोनू, दिव्यांश, विकास गोंड, सालिकराम गोंड, सचिन गोंड, सालिकराम गोंड, अजय गोंड, दुर्गेश कुमार गोंड, सूरज गोंड, राजन गोंड, अंश धूरिया, अजय गोंड, आदित्य धुरिया, श्रीयांश , रंजना, सुनील आकाश, अंशिका, पायल, सुमन के साथ ही बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग उपस्थित रहे।

कांवड़ियों से पटा फोरलेन, हर तरफ हर–हर महादेव की गूंज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। फोरलेन पर रविवार को जहां तक नजर गई, वहां तक केसरिया रंग ही दिखाई दिया। कंधों पर सजी कांवड़, हाथों में अयोध्या से लाया गया सरयू का पवित्र जल और जुबान पर बोलबम व हर–हर महादेव के जयकारे। फोरलेन से होकर गुजर रहा कांवड़ियों की भारी भीड़ पूरे माहौल को शिवमय कर रही थी। डीजे पर बज रहे शिवभजनों की धुन पर कांवड़िये नाचते–गाते हुए आगे बढ़ रहे थे। 11 अगस्त को जिले के विभिन्न शिवालयों में जलाभिषेक होगा। इसमें सबसे अधिक कांवड़ियों के बाबा भदेश्वरनाथ धाम पहुंचने की संभावना है। अयोध्या से सरयू का जल लेकर कांवड़िये लगातार बस्ती की ओर बढ़ रहे हैं। जैसे–जैसे जलाभिषेक का दिन नजदीक आ रहा है, फोरलेन पर कांवड़ियों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। अलग–अलग जत्थों में चल रहे श्रद्धालुओं के साथ कई स्थानों पर डीजे भी हैं। शिवभजनों की धुन पर थिरकते कांवड़ियों और लगातार गूंजते जयकारों से मार्ग पर अलग ही माहौल बना हुआ है।

–11 अगस्त को आस्था के जल से नहायेंगे भोलेनाथ
–सेवा शिविरों में उमड़े कांवडिये, प्रशासन अलर्ट

कांवड़ियों की सेवा के लिए फोरलेन के किनारे जगह–जगह सेवा शिविर लगाए गए हैं। व्यापारियों, नेताओं, जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों की ओर से लगाए गए शिविरों में पानी, शरबत, जलपान, भोजन और विश्राम की व्यवस्था की गई है। कांवड़ियों को भोजन कराने, पानी पिलाने और उनके विश्राम की व्यवस्था करने में स्थानीय लोग बढ़–चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। रास्ते में थके श्रद्धालुओं के लिए ये शिविर राहत का केंद्र बने हुए हैं। कांवड़ यात्रा को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने भी व्यापक तैयारियां की हैं। मार्ग में जगह–जगह चिकित्सा शिविर बनाए गए हैं। सरकारी डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मचारियों की टीमें तैनात हैं। कांवड़ियों की स्वास्थ्य जांच के साथ प्राथमिक उपचार और आवश्यक दवाओं की व्यवस्था की गई है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एंबुलेंस भी तैयार रखी गई हैं। प्रशासन की ओर से स्वास्थ्य टीमों को लगातार सक्रिय रहने के निर्देश दिए गए हैं। कांवड़ियों की सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क है। फोरलेन, प्रमुख चौराहों, पड़ाव स्थलों और भदेश्वरनाथ धाम की ओर जाने वाले मार्गों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। भीड़ वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए पुलिस की टीमें लगातार सक्रिय हैं, ताकि कांवड़ियों के साथ आम राहगीरों को भी परेशानी न हो।

कांवड़ यात्रा की निगरानी के लिए जिले के वरिष्ठ अधिकारी लगातार भ्रमण कर रहे हैं। जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी, उपजिलाधिकारी समेत अन्य अधिकारी कांवड़ मार्ग और प्रमुख स्थानों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। जिले की सीमा से लेकर कांवड़ियों के प्रमुख पड़ावों और भदेश्वरनाथ धाम तक सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया जा रहा है। प्रशासन की नजर भीड़ की स्थिति, यातायात, चिकित्सा, पेयजल और साफ–सफाई सहित सभी व्यवस्थाओं पर बनी हुई है।

11 अगस्त को बाबा भदेश्वरनाथ धाम में होने वाले जलाभिषेक को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है। बड़ी संख्या में कांवड़िये अयोध्या से सरयू का जल लेकर भदेश्वरनाथ पहुंचेंगे और बाबा का जलाभिषेक करेंगे। संभावित भीड़ को देखते हुए मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा एवं भीड़ नियंत्रण की विशेष व्यवस्था की जा रही है। प्रशासन की कोशिश है कि श्रद्धालुओं को दर्शन और जलाभिषेक के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो। प्रशासन की सतर्कता और आम लोगों के सहयोग से कांवड़ यात्रा को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने की कोशिश लगातार जारी है। 11 अगस्त के जलाभिषेक के साथ बस्ती में सावन की इस भव्य कांवड़ यात्रा का प्रमुख पड़ाव पूरा होगा।

कांवड़ महोत्सव में कल्पना पटवारी के भक्ति गीतों पर झूमे श्रद्धालु

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । फुटहिया में रविवार शाम 5 बजे मां शांति सेवा संस्थान की ओर से कांवड़ महोत्सव का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ शुरू हुए महोत्सव में भोजपुरी गायिका कल्पना पटवारी ने अपनी प्रस्तुति से श्रद्धालुओं में उत्साह भर दिया। उनके मंच पर पहुंचते ही पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। कल्पना पटवारी ने भगवान शिव और भक्ति पर आधारित भोजपुरी गीत प्रस्तुत किए। उनके लोकप्रिय गीत श्गणेश के पापा हमसे ई भांग पिसाई नाश पर दर्शकों ने जमकर तालियां बजाईं। इसके बाद 'एक से नाच कांवरिया, शिव के नगरिया बन के पुजरिया रे' जैसे गीतों ने माहौल को और भक्तिमय बना दिया। गीतों की धुन पर श्रद्धालु और कांवड़िए झूमते नजर आए। कांवड़ महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। आयोजन स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था के साथ श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए भी इंतजाम किए गए। कार्यक्रम के दौरान लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला।

कावड़ यात्रा को लेकर प्रशासन सकिय

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बस्ती । श्रावण मास की पवित्र कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना एवं पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह द्वारा पुलिस लाइन सभागार में स्थापित अत्याधुनिक कंट्रोल रूम का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने जिले में सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन तथा सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से की जा रही निगरानी का गहन जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान जिले के प्रमुख चौराहों, कांवड़ मार्गों, राष्ट्रीय राजमार्ग तथा भदेश्वरनाथ मंदिर परिसर में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की लाइव फीड एवं स्ट्रीमिंग की बारीकी से जांच की गई। शहर एवं कांवड़ मार्ग के प्रमुख स्थानों पर लगे कैमरों को जूम–इन कर सुरक्षा व्यवस्था की लाइव स्थिति का अवलोकन किया गया। साथ ही संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के उपरांत मीडिया को जानकारी देते हुए जिलाधिकारी ने बताया कि कांवड़ यात्रा की व्यापकता एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पूरे कांवड़ मार्ग एवं जनपद को विभिन्न जोन एवं सेक्टरों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक जोन एवं सेक्टर में पर्याप्त पुलिस बल के साथ मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी लगाई गई है।

उन्होंने बताया कि कांवड़ मार्ग की सड़कों की मरम्मत का कार्य पूर्व में ही पूर्ण करा लिया गया है। इसके साथ ही पूरे मार्ग पर साफ–सफाई एवं पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

पूरे कांवड़ रूट पर सब–स्टेशन (संयुक्त कंट्रोल रूम) स्थापित किए गए हैं, जहां विभिन्न विभागों की संयुक्त टीमें 24 घंटे तैनात रहेंगी। किसी भी आपात स्थिति में इन टीमों द्वारा तत्काल आवश्यक सहायता एवं कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने कंट्रोल रूम में तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कांवड़ यात्रा के दौरान सतर्कता बरतने, आपसी समन्वय बनाए रखने तथा किसी भी अप्रिय स्थिति की सूचना प्राप्त होते ही तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके उपरान्त अधिकारियों ने बस्ती से अयोध्या गोण्डा बॉर्डर तक स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल,मुख्य राजस्व अधिकारी कीर्ति प्रकाश भारती,उप जिलाधिकारी उमाकांत तिवारी,राजेश यादव सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कावड़ मेले में लगेगा खोया पाया माध्यम शिविर: डा. वी.के. वर्मा ने किया उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । समाचार पत्र वितरक जन कल्याण सेवा समिति द्वारा श्री भद्रेश्वरनाथ मंदिर परिसर में जय प्रकाश गोस्वामी के संयोजन में कावड़ मेले में खोया पाया माध्यम शिविर का आयोजन किया गया है। रविवार को उद्घाटन करते हुये समाजसेवी वरिष्ठ चिकित्सक डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि 11 अगस्त को कावड़ यात्रा के श्रद्धालु श्री भद्रेश्वरनाथ मंदिर के साथ ही प्रमुख मंदिरों पर जलाभिषेक करेंगे। लाखों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में प्रायः कावडिये एक दूसरे से बिछड़ जाते हैं ऐसे में यह शिविर बहु उपयोगी सिद्ध होता। इससे बिछड़े लोगों को अपनों से मिलाना आसान हो जाता है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता सिद्धार्थ शंकर मिश्र ने कहा कि खोया पाया शिविर की जरूरत हमेशा बनी रहेगी, पिछले 34 वर्षो से जय प्रकाश गोस्वामी द्वारा खोया पाया शिविर का अनवरत संचालन एक उपलब्धि है. बिछड़ों को मिलाना पुनीत कार्य है। शिविर संचालक जय प्रकाश गोस्वामी ने कहा कि जितना संभव होगा चाहे जितनी कठिनाईयां आयें शिविर का संचालन अनवरत जारी रहेगा। किसी के खोये हुये बच्चे को उसके परिवार से मिलाने पर खुशी मिलती है।

शिविर के उद्घाटन अवसर पर मुख्य रूप से सी.ए. अजित चौधरी, डा. राजेश पटेल, शिव प्रसाद चौधरी, डा. लालचंद, मनोज कुमार, शिवशंकर, श्याम किशोर दूबे, वृजेश सिंह, उत्कर्ष दूबे, ध्रुव चौबे, जग प्रसाद, सतीश चौधरी, वीरेन्द्र निषाद, नवीन पाल, दुर्गेश मिश्र, दीनदयाल तिवारी, वृजेश मिश्र, जी.डी. मिश्र, भूपेन्द्र चौधरी, आलोक सिंह 'अंशू', महेन्द्र प्रताप चौधरी, श्रद्धेय पाल, मनमोहन श्रीवास्तव 'काजू' रविशंकर शुक्ल, प्रिन्स शुक्ल, राजेश्वर तिवारी, मनोज यादव, बब्लू तिवारी, प्रभात सोनी, शिब्लू पाण्डेय, राम अधार पाल, विश्वनाथ जायसवाल, सन्तोष पाल, दिलीप पाण्डेय, गोविन्द पाण्डेय, अभय नरायन गोस्वामी, विजय प्रकाश गोस्वामी आदि शामिल रहे।

शिव भक्त कांवड़ यात्रियों की सेवा पुनीत कार्य– दयाराम चौधरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। श्रावण मास के पावन अवसर पर शिव भक्त कांवड़ यात्रियों की सेवा और सुविधा के उद्देश्य से स्थान–स्थान पर सेवा शिविर, चिकित्सा शिविर लगाये गये हैं। रविवार को अमहट घाट के निकट अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा लगाये गये निःशुल्क चिकित्सा शिविर का उद्घाटन करते हुये पूर्व विधायक भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता दयाराम चौधरी ने कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था, श्रद्धा और सेवा का पर्व है। लाखों शिव भक्त कठिन यात्रा कर भगवान भोलेनाथ के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करते हैं। ऐसे में उनकी सेवा करना सौभाग्य और पुण्य का अवसर है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा शिविर में प्रत्येक कांवड़ यात्री को परिवार जैसा सम्मान और बेहतर सुविधाएं देने का प्रयास सराहनीय है।

–अमहट घाट के निकट निःशुल्क चिकित्सा शिविर का उद्घाटन

जिला संयोजक शिवेन्द्र सिंह, जिला प्रमुख, डॉ. गजेन्द्र उबरन गिरी ने बताया कि चिकित्सा शिविर में कांवड़ यात्रियों के लिये पर्याप्त दवाओं की व्यवस्था की गई है जिससे उन्हें आस्था के इस महापर्व कोई असुविधा न होने पाये।

चिकित्सा शिविर को संचालित करने में अखिलेश सिंह, आकाश सिंह, किशन मिश्रा, अमरेन्द्र पाण्डेय सहित विद्यार्थी परिषद के अनेक पदाधिकारी योगदान दे रहे हैं। चिकित्सा शिविर के उद्घाटन अवसर पर अभिषेक चौधरी, सैम चौधरी, आशीष चौधरी, धीरज चौहान, महेंद्र चौधरी, मनीष चौधरी,राम बहादुर वर्मा,रामफल पटेल आदि उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 10 अगस्त 2026 सोमवार

सम्पादकीय

अमेरिकी खाद्यान्न और भारतीय किसान

हाल के दिनों में भारत और अमेरिका के बीच एक व्यापक कृषि व्यापार समझौते को लेकर सुगबुगाहट तेज हुई है, जिसके साथ ही किसानों का विरोध भी मुखर हो गया है। मुक्त व्यापार के पैरोकार इसे आर्थिक उदारीकरण का अगला चरण बता रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत, उत्पादन लागत और वैश्विक सामरिक उदाहरणों का विश्लेषण स्पष्ट करता है कि कृषि को महज एक 'व्यापारिक वस्तु' मानना भारत के लिए एक आत्मघाती रणनीतिक भूल हो सकती है।

आज की बदलती वैश्विक भू–राजनीति में युद्ध केवल सीमाओं पर टैंकों और मिसाइलों से नहीं लड़े जाते। इक्कीसवीं सदी का सबसे अमोघ हथियार 'आर्थिक प्रतिबंध', आयात शुल्क और आपूर्ति श्रृंखलाओं की नाकेबंदी बन चुका है। ऐसे अनिश्चित और अस्थिर दौर में किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसकी सेना या विदेशी मुद्रा भंडार से अधिक इस बात से तय होती है कि वह संकट के समय अपने नागरिकों का पेट भरने में कितना आत्मनिर्भर है। वर्तमान विरोध के संदर्भ को समझने के लिए साल 2026 के ऐतिहासिक वैश्विक व्यापार समझौतों पर गौर करना जरूरी है। इन समझौतों का कोई विरोध इसलिए नहीं हुआ कि भारत ने कृषि और डेयरी क्षेत्र को अपनी 'रेड लाइन' मानकर पूरी तरह सुरक्षित रखा था। जनवरी 2026 के 'मदर ऑफ ऑल डील्स' यानी भारत–यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते में यूरोप ने नब्बे फीसद भारतीय कृषि उत्पादों को शुल्क मुक्त कर दिया, लेकिन भारी दबाव के बावजूद भारत ने अपने डेयरी उत्पादों और मुख्य खाद्यान्नों को सुरक्षित रखा तथा अमेरिकी जीएम फसलों पर प्रतिबंध जारी रखा।

इसी तरह, फरवरी 2026 के भारत–अमेरिका समझौते ने भारत को तीस ट्रिलियन डॉलर के विशाल अमेरिकी बाजार तक तरजीही पहुंच दिलाई, लेकिन इसमें भी संवेदनशील कृषि क्षेत्र और डेयरी को बाहर रखा गया था। जुलाई 2026 के भारत–ब्रिटेन सीईटीए के तहत ब्रिटेन ने निन्यानबे फीसद भारतीय उत्पादों से शुल्क हटा लिया, लेकिन यहां भी भारत का कृषि और डेयरी क्षेत्र समझौते के दायरे से बाहर रहा। न्यूजीलैंड के साथ हुए समझौते में भी भारत ने अपने मजबूत डेयरी उद्योग को पूरी तरह संरक्षित रखा और केवल अत्याधुनिक कृषि तकनीक के बदले कीवी और सेब जैसे फलों पर आंशिक छूट दी।

पूर्व के इन समझौतों पर कोई हंगामा नहीं हुआ, लेकिन भारत–अमेरिका के बीच संभावित 'व्यापक कृषि व्यापार समझौते' पर आशंका इसलिए है कि अब दबाव उन सीमा रेखाओं को पार करने का है। अमेरिका अपने जेनेटिकली मॉडिफाइड बीजों, मक्का, सोयाबीन, डेयरी और पोल्ट्री उत्पादों के लिए भारतीय बाजार को पूरी तरह खोलने का दबाव बना रहा है।

भारत और अमेरिका की कृषि पद्धति में जमीन–आसमान का अंतर है। अगर यह बाजार खुलता है, तो यह दो असमान व्यवस्थाओं के बीच का ऐसा मुकाबला होगा, जिसमें भारतीय किसानों का हारना तय है। भारत में छियासी फीसद किसान छोटे और सीमांत हैं, जिनके पास दो हेक्टेयर से कम जमीन है और वे मानसून, महंगे डीजल तथा सीमित पूंजी के सहारे खेती करते हैं। इसके विपरीत, अमेरिका में खेती एक कॉरपोरेट उद्योग है, जहां हजारों एकड़ के खेत, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन और जीपीएस आधारित मशीनों का उपयोग होता है।

दोनों देशों के बीच उत्पादकता का भारी अंतर है। उदाहरण के लिए मक्का, जो आज पोल्ट्री, एथेनॉल और खाद्य प्रसंस्करण की रीढ़ है, अमेरिका में एक एकड़ में एक सौ दस से एक सौ बीस क्विंटल पैदा होता है, जबकि भारत में यह औसत मात्र पंद्रह से बीस क्विंटल प्रति एकड़ है। इतनी कम प्रति इकाई लागत के साथ, अमेरिकी कॉरपोरेट आसानी से भारतीय बाजार में अपना सामान पेश कर सकता है, जिसके सामने दो एकड़ वाला भारतीय किसान कभी नहीं टिक पाएगा।

मुक्त व्यापार को लेकर एक भ्रम यह फैलाया जाता है कि अमेरिका में न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी नहीं है और वहां किसान बाजार के भरोसे हैं। सच इसके बिल्कुल उलट है। भारत में किसान आज भी स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश (सी2 पचास फीसद) के आधार पर एमएसपी की कानूनी गारंटी मांग रहा है, जबकि सरकार ए2एफएल के आधार पर नीतियां तय करती है। वहीं, अमेरिका में किसानों को बचाने के लिए एक अभेद्य आय सुरक्षा चक्र है। 'प्राइस लॉस कवरेज' और 'एग्रीकल्चर रिस्क कवरेज' जैसे कार्यक्रमों के तहत बाजार मूल्य गिरने पर अमेरिकी सरकार किसानों को भारी सब्सिडी और सीधे नकद नुकसान की भरपाई करती है।

आयात से उपभोक्ताओं को सस्ता सामान मिलने का तर्क कृषि के संदर्भ में सबसे घातक है। शुरुआत में सस्ता अमेरिकी मक्का, सोयाबीन या खाद्य तेल बाजार में आएगा और प्रतिस्पर्धा न कर पाने के कारण भारतीय किसान घाटे में जाकर इन फसलों को उगाना बंद कर देंगे। कृषि कोई कारखाना नहीं है कि बटन दबाया और उत्पादन फिर शुरू हो गया। एक बार अगर किसान ने खाद्यान्न उगाना छोड़ दिया और देश का बीज चक्र, बुनियादी ढांचा और ज्ञान नष्ट हो गया, तो उसे दोबारा खड़ा करने में करीब तीस साल लग जाएंगे। स्थानीय उत्पादन खत्म होते ही विदेशी एकाधिकारवादी मनमानी कीमतें वसूलेंगे, जिससे न किसान बचेगा और न ही उपभोक्ता।

डेयरी और जीएम फसलों का संकट भी इस समझौते का एक बेहद संवेदनशील पहलू है। भारत का डेयरी क्षेत्र आठ करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवारों की आय का स्रोत है, जहां अधिकांश दूध उत्पादन दो–तीन पशुओं वाले छोटे किसानों द्वारा होता है। दूसरी ओर, अमेरिका में बड़े कॉरपोरेट डेयरी फार्म भारी सब्सिडी और बड़े पैमाने की अर्थव्यवस्था के दम पर बेहद सस्ता दूध पाउडर बनाते हैं, जिनके आयात से भारतीय किसानों को दूध का सही दाम नहीं मिल सकेगा। इसके साथ ही, अमेरिका लंबे समय से जीएम मक्का और जीएम सोयाबीन के लिए बाजार पहुंच की मांग कर रहा है। भारत अब तक खाद्य जीएम फसलों पर सतर्क रहा है, क्योंकि यह केवल व्यापार का नहीं, बल्कि जैव सुरक्षा, पर्यावरण, बीज संप्रभुता और उपभोक्ता विश्वास का प्रश्न है।

सरकार का दावा है कि इस व्यापार समझौते में भारतीय किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। सरकार के अनुसार, चाय, कॉफी, मसाले और नारियल जैसे कृषि उत्पादों को अमेरिकी बाजार में कम या 'शून्य शुल्क' का लाभ मिलेगा। भारतीय मसाले, बासमती चावल, बागवानी उत्पाद, प्रसंस्कृत खाद्य और जैविक उत्पादों की वैश्विक मांग लगातार बढ़ रही है। अगर गुणवत्ता मानकों और 'कोल्ड चेन' को मजबूत किया जाए, तो भारतीय किसान अंतरराष्ट्रीय बाजार से बेहतर मूल्य प्राप्त कर सकते हैं। भारत की अधिकांश व्यापार संधियों का अनुभव भी बताता है कि सरकार ने संवेदनशील क्षेत्रों को संरक्षण देते हुए अन्य क्षेत्रों में बाजार खोलने की रणनीति अपनाई है। अमेरिका के साथ वार्ता कहीं अधिक जटिल है। ऐसी स्थिति में अमेरिका के साथ किसी भी दबाव वाली कृषि सौदेबाजी से पीछे हटना ही हमारा राष्ट्रधर्म होगा।

जीवंत होती भारतीय संस्कृति की आत्मा

—डा. वीरेन्द्र—

श्रावण मास में सड़कों पर गूंजते 'हर–हर महादेव' के जयघोष के साथ जब करोड़ों शिवभक्त कांवड़ लेकर निकलते हैं, तो देश में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ता है। यह यात्रा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि हमारी प्राचीन सांस्कृतिक चेतना, आपसी समरसता, सेवा–परम्परा और राष्ट्रीय एकता का एक ऐसा विराट लोकपर्व है, जो हर साल संपूर्ण भारत को भक्ति के सूत्र में पिरो देता है।

श्रावण मास शुरू होते ही सड़कों पर 'हर–हर महादेव' और 'बोल बम' के जयघोष गूंजने लगते हैं, जैसे–जैसे पन्नग भूषण अवंतिकानाथ महाकालेश्वर के जलाभिषेक की तिथि करीब आती है, वैसे–वैसे सड़कों पर भगवा लहर और जयघोष की गूंज बढ़ती चली जाती है। सावन का महीना शुरू होते ही सड़कों पर आस्था चल पड़ती है। कंधों पर कांवड़, अधरों पर 'हर–हर महादेव' का उद्घोष और हृदय में भगवान शिव के प्रति अटूट श्रद्धा लेकर आगे बढ़ते करोड़ों श्रद्धालु केवल एक धार्मिक यात्रा ही नहीं करते, बल्कि भारतीय संस्कृति, लोकजीवन, सेवा–परम्परा और राष्ट्रीय एकता की ऐसी जीवंत गाथा लिखते हैं।

भारत की सांस्कृतिक चेतना का यही जीवंत स्वरूप कांवड़ यात्रा में दिखाई देता है। यह केवल तीर्थयात्रा नहीं, बल्कि श्रद्धा, साधना, अनुशासन, सेवा और सामाजिक समरसता का विराट लोकपर्व है, यह हमारी सामूहिक संस्कृति चेतना का महापर्व है, जो प्रत्येक वर्ष श्रावण मास में करोड़ों लोगों को एक सूत्र में बांधता है।

वर्षा की पहली फुहारों के साथ ही जब प्रकृति हरित आभा से आच्छादित हो उठती है, तब भारतीय जनमानस भी शिवमय हो जाता है। उत्तराखण्ड की पर्वत–शृंखलाओं से लेकर गंगा के विस्तृत मैदानों तक, गांवों की पगडंडियों से लेकर महानगरों के राजमार्गों तक एक ही स्वर सुनाई देता है'बोल बम', 'हर–हर महादेव'। यह केवल धार्मिक उद्घोष नहीं, बल्कि उस सांस्कृतिक चेतना की अभिव्यक्ति है जिसने भारत को विविधताओं के बीच भी एकता का सूत्र प्रदान किया है। हरिद्वार, ऋषिकेश, गंगोत्री, गौमुख, सुल्तानगंज, देवघर, काशी, गढ़मुक्तेश्वर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश का पूरा महादेव जैसे पावन स्थल इस यात्रा की प्रमुख धुरी हैं। सभी का लक्ष्य एक ही हैकृशिव के चरणों में श्रद्धा अर्पित करना।

कांवड़ यात्रा का मूल भाव अत्यंत सरल है, पवित्र नदियों, विशेषतः गंगा से जल लाकर भगवान शिव का अभिषेक करना। जल जीवन का प्रतीक है, गंगा पवित्रता और लोककल्याण की प्रतीक है तथा भगवान शिव त्याग, करुणा और समस्त सृष्टि के मंगल के प्रतीक हैं। भारतीय पुराणों में समुद्र–मंथन का प्रसंग शिव के लोकमंगलकारी स्वरूप का स्मरण कराता है। जन विश्वास है कि विषपान के पश्चात शिव पर शीतल जल अर्पित करने की परम्परा ने ही आगे चलकर जलाभिषेक की व्यापक परम्पराओं को बल दिया है। हालांकि वर्तमान कांवड़ यात्रा का स्वरूप समय के साथ विकसित हुआ है, किन्तु शिव को जल अर्पित करने की भावना भारतीय धार्मिक चेतना में प्राचीन काल से विद्यमान रही है। भारत में पैदल चलकर तीर्थों तक पहुंचना केवल धार्मिक कर्तव्य नहीं माना गया, बल्कि उसे आत्मानुशासन और आत्मशुद्धि का साधन समझा गया। यही कारण है कि कांवड़ यात्रा में कठिन परिश्रम को कष्ट नहीं, बल्कि साधना माना जाता है। नंगे पैर चलने वाले अनेक श्रद्धालु, कठिन नियमों संग यात्रा पूरी करते हैं। कुछ श्रद्धालु तो लेट–लेट कर (दांडी कांवड़ यात्रा) आगे बढ़ते हैं।

कांवड़ यात्रा की एक और विशिष्टता उसका लोकचरित्र है। इसमें कोई औपचारिक निमंत्रण नहीं दिया जाता, कोई सामाजिक भेदभाव नहीं रहता। यही भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी शक्ति है कि वह विविधताओं को समेटती हुई उन्हें एक व्यापक सांस्कृतिक परिवार में जोड़ देती है। कांवड़ यात्रा भारतीय लोकजीवन का उत्सव है, सामूहिक अनुशासन का अभ्यास है, सामाजिक सहभागिता का उदाहरण है और राष्ट्रीय एकता की चलती–फिरती तस्वीर भी है। जब कंधों पर कांवड़ और होठों पर 'हर–हर महादेव' लेकर लाखों–करोड़ों लोग आगे बढ़ते हैं, तब वस्तुतः उनके साथ भारत की हजारों वर्षों पुरानी सांस्कृतिक परम्परा भी आगे बढ़ रही होती है। कांवड़ यात्रा के साथ समाज स्वयं चल पड़ता है, सेवा के लिए स्वयं खड़ा हो जाता है। जहां–जहां से कांवड़ियों का मार्ग गुजरता है, वहां सेवा अपने आप एक उत्सव का रूप ले लेती है। किसी स्थान पर शीतल जल की व्यवस्था होती है तो कहीं भंडारे चलते हैं, कहीं चिकित्सक निःशुल्क चिकित्सा सेवा देते हैं, तो कहीं स्थानीय युवक रातभर जागकर श्रद्धालुओं की सुविधा में जुटे रहते हैं। भारतीय संस्कृति में सेवा को ही सर्वोच्च साधना माना गया है। कंधों पर टिकी कांवड़ केवल गंगाजल का भार नहीं उठातीय वह भारत की हजारों वर्षों पुरानी सांस्कृतिक स्मृतियों, लोकविश्वासों, सेवा–परम्पराओं और सामूहिक चेतना को भी अपने साथ लेकर चलती है।

भारतीय संस्कृति बताती है कि प्रकृति और परमात्मा अलग–अलग नहीं हैं। नदियां, पर्वत, वृक्ष और वन हमारी आस्था के विषय रहे हैं। कांवड़ यात्रा के दौरान यदि शिव भक्त गंगा–यमुना सहित सभी नदियों एवं जल स्रोतों को निर्मल रखने के संकल्प के साथ 'हरित कांवड़', 'स्वच्छ कांवड़' और 'पर्यावरण–सम्मत कांवड़' का संदेश भी अपने साथ लेकर चले, तो यह आने वाले समय की सबसे बड़ी सामाजिक व सांस्कृतिक उपलब्धि होगी।

जब सावन की वर्षा में भीगा हुआ कोई कांवड़िया नंगे पांव अपने गंतव्य की ओर बढ़ता है, तब वह हमें यह सिखाता है कि संकल्प सुविधा से नहीं, साधना से सिद्ध होता है। जब मार्ग में अनजाने लोग उसे जल पिलाते हैं, भोजन कराते हैं और विश्राम का स्थान देते हैं, तब भारतीय संस्कृति का वह मानवीय स्वरूप सामने आता है जो किसी भी सभ्यता की सबसे बड़ी शक्ति होता है। वास्तव में कांवड़ यात्रा भगवान शिव के प्रति अटूट आस्था के महापर्व के साथ–साथ भारत की सांस्कृतिक निरन्तरता, सामाजिक समरसता, श्रम–सम्मान, लोकसहयोग और राष्ट्रीय एकता की जीवंत महागाथा है।

कांवड़ यात्रा का आध्यात्मिक महत्व के अलावा एक व्यापक आर्थिक प्रभाव भी होता है। श्रावण के आगमन की आहट से काफी पहले ही बांस और लकड़ी से कांवड़ बनाने वाले कारीगर, रंग–सज्जा का कार्य करने वाले शिल्पी, भगवा वस्त्र, ध्वज, त्रिशूल, डमरू, पूजा सामग्री, फूल–मालाएं और धार्मिक प्रतीकों का निर्माण करने वाले लाखों कारीगरों के हाथ अपने काम को रफ्तार से आगे बढ़ाने लगते हैं। यात्रा मार्गों पर अस्थायी भोजनालय, चाय–नाश्ते की दुकानें, फल विक्रेता, परिवहन सेवाएं, टेंट, जनरेटर, ध्वनि एवं प्रकाश व्यवस्था, वाहन मरम्मत, मोबाइल सेवा, चिकित्सा सहायता और स्थानीय बाजारों में व्यापार उल्लेखनीय रूप से बढ़ जाता है। लाखों परिवारों के लिए यह अवधि वर्ष की सबसे महत्वपूर्ण आय का अवसर होती है।

कांवड़ का स्वरूप गत एक दशक में काफी परिवर्तित हुआ है। आज सामान्य कांवड़ यात्रा, डाक कांवड़ यात्रा, खड़ी कांवड़ यात्रा तथा दांडी कांवड़ यात्रा देखने को मिलती है। सामान्य कांवड़, सबसे सरल और लोकप्रिय कांवड़ है, इसमें शिव भक्त अपनी क्षमता के अनुसार विश्राम करते हुए चलते हैं। विश्राम के दौरान कांवड़ को विशेष स्टैंड पर टांगा जाता है। डाक कांवड़ बहुत तीव्र और कठिन होती है। गंगाघाट से गंगाजल उठाने के बाद भगवान शिव का जलाभिषेक होने तक शिव भक्त बिना रुके लगातार दौड़ते या चलते हैं। खड़ी कांवड़ में कांवड़ को जमीन पर नहीं रखा जाता। यदि एक कांवड़िया थकान महसूस कर विश्राम चाहता है तो उसका सहयोगी या दूसरा साथी तुरंत कांवड़ को अपने कंधे पर संभाल लेता है। दांडी कांवड़ को तपस्यापूर्ण यात्रा माना जाता है। श्रद्धालु गंगा तट से लेकर शिवालय तक दंडवत प्रणाम करते हुए आगे बढ़ते हैं।

परम्परागत कांवड़ में शिव भक्त बांस की कांवड़ में दोनों सिरों पर गंगाजल से भरे एक–एक या दो–दो कलश लेकर चलते थे। लेकिन अब दोनों ओर पांच–पांच कलश लेकर चलते है, कुछ श्रद्धालु तो अपने वजन से कई ज्यादा भार की कांवड़ लेकर चलते हैं। इसके अलावा परंपरागत बांस की कांवड़ का स्थान अब स्टील की कांवड़ ले रही है।

शिवभक्तों में कांवड़ और शिव के प्रति आस्था और श्रद्धा कांवड़ के स्वरूपों को देखते ही बनती है। कोई 15 फुट ऊंची कांवड़ लेकर चलता है तो कोई 20 फुट लंबी। कोई झांकी के रूप में सजा कर चलता है तो कोई तिरंगी पट्टियों का समावेश कर भक्ति के साथ राष्ट्रीय शक्ति का भाव प्रदर्शित करता है। कोई भगवान शिव की प्रतिमाएं गाड़ियों व ट्रैक्टर ट्रॉलियों पर सजाता है तो कोई शिव प्रतिमा को कंधे पर बैठाकर शिव के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करता है। समय के साथ आस्था–श्रद्धा भी अपने–अलग रंगों और रूपों में परिवर्तित हुई है।

विदेश नीति के साथ ही सभी निर्णयों पर बालेन शाह का यू टर्न

—सुभाष चन्द्र पाण्डेय—

अंततः नेपाली प्रधानमंत्री बालेन शाह की विदेश यात्राओं की प्रथम वरियता को लेकर काठमांडू के राजनीतिक गलियारों में चल रहे कयासबाजी पर विराम लग गया। किंतु परंतु और अगर मगर के बीच बालेन शाह की बतौर पीएम भारत यात्रा पर मुहर लग गई है। पीएम के तौर पर यह उनकी पहली विदेश यात्रा भी है। भारत ने नेपाली पीएम बालेन शाह को भारत आने का आधिकारिक निमंत्रण दिया है। इस बात की पुष्टि भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने की है। नेपाल की राजनीति में भारत और खासकर बालेन की विदेश नीति को लेकर यह बड़े यू टर्न की दृष्टि से देखा जा रहा है। नेपाल में अपना प्रभाव बढ़ा रहे अमेरिका और चीन बालेन शाह की प्रथम विदेश यात्रा पर टक टकी लगाए हुए थे,वे बालेन शाह की विदेश यात्रा में अपने अपने देश को प्राथमिकता में मान कर चल रहे थे। चूंकि नेपाल का पीएम बनने के बाद बालेन शाह के क्रिया कलाप तथा सरकार चलाने की कार्यशैली कुछ ऐसी थी कि उन्हें और उनकी विदेश नीति को समझ पाना मुश्किल था। अब जब भारत भ्रमण के लिए बालेन शाह को निमंत्रित किया जा चुका है और उन्होंने इस निमंत्रण को स्वीकार भी कर लिया है तो अमेरिका और चीन का चौकन्ना होना स्वाभाविक है। नेपाल के राजनीतिक विश्लेषकों की दृष्टि में यह भारत की बड़ी कूटनीतिक विजय है।

प्रधानमंत्री बालेन शाह ने सत्ता संभालते ही यह संदेश दिया था कि विदेशी राजदूतों और राजनयिकों की प्रधानमंत्री कार्यालय तक सीधी पहुंच समाप्त की जाएगी और किसी भी विदेशी प्रतिनिधि से निजी मुलाकात नहीं की जाएगी। लेकिन अब खबर है कि प्रधानमंत्री बालेन शाह ने अपनी शुरुआती नीति में बदलाव करते हुए करीबी सलाहकारों के माध्यम से भारत और चीन से सीधे संपर्क स्थापित करने की पहल शुरू कर दी। खबर यह भी है कि वे अपने करीबी सलाहकारों तथा पार्टी के वरिष्ठ नेताओं खासकर पार्टी अध्यक्ष रवि लामी छाने और विदेश मंत्री शिशिर खनाल से चर्चा के बाद उन्होंने अपनी पहली विदेश यात्रा में भारत को प्राथमिकता दी। बता दें कि प्रधानमंत्री बालेन शाह के प्रमुख सलाहकार कुमार व्यंजनकार (बेन) के जुलाई के पहले सप्ताह में चुपचाप नई दिल्ली की यात्रा के बाद बालेन शाह की भारत यात्रा के कार्यक्रम में तेजी आई। इसमें भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और बालेन शाह के प्रमुख सलाहकार की मुलाकात की भी बड़ी भूमिका है। अचरज की बात है कि यह सब इतना गोपनीय रखा गया कि दोनों देशों के प्रमुख राजनयिकों के मुलाकात की भनक नेपाल के विदेश मंत्रालय तक को नहीं लगने दी गई। विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मुलाकात होने की पुष्टि तो की, लेकिन यह भी कहा कि बैठक के एजेंडे और चर्चा के विषयों की जानकारी मंत्रालय के पास उपलब्ध नहीं है क्योंकि इस बैठक में विदेश मंत्रालय का कोई अधिकारी मौजूद नहीं था। साफ है कि बालेन शाह की भारत यात्रा की पुष्टि किसी गोपनीय रणनीति का हिस्सा हो सकता है। नेपाल के राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि वेशक बालेन शाह की भारत यात्रा की रूपरेखा गोपनीय रखी गई लेकिन इसकी जानकारी पार्टी अध्यक्ष रवि लामी छाने को जरूर रही होगी क्योंकि कुछ दिन पहले ही वे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के आमंत्रण पर भारत की पांच दिवसीय यात्रा पर भारत गए थे। नेपाल में जब भी सत्ता परिवर्तन होता है तो वहां के नये प्रधानमंत्री के विदेश यात्रा की प्राथमिकता पर भारत, चीन और अब अमेरिका की नजर जरूर रहती है। नेपाल में अपना प्रभाव बढ़ाने में लगातार सक्रियता बढ़ा रहे ये तीनों देश बालेन शाह की अपने अपने देश की यात्रा को लेकर सक्रिय थे। अमेरिका और चीन के राजनयिक और शीर्ष नौकरशाहों तक का आगमन काठमांडू हो चुका था लेकिन बालेन शाह की मुलाकात किसी से नहीं हुई थी। उन्होंने नेपाल के आंतरिक और बाह्य समस्याओं के समाधान में व्यस्तता के कारण विदेशी मंत्रियों और नौकरशाहों से मिलना मुनासिब नहीं समझा था। बालेन शाह की भारत यात्रा की पुष्टि के बाद काठमांडू में चर्चा है कि यात्रा के पहले भारतीय राजदूत और बालेन शाह की मुलाकात कभी भी हो सकती है। राजनीतिक विश्लेषकों और सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री के भारत दौरे के पीछे जो प्रमुख कारण हो सकता है वह यह कि भारतीय मीडिया में हाल के दिनों में बालेन सरकार को लेकर लगातार आलोचनात्मक खबरें प्रकाशित होना है। कुछ रिपोर्टों में सरकार की लोकप्रियता घटने और उसके अधिक समय तक न टिक पाने के दावे किए गए, जिससे सरकार के भीतर नई कूटनीतिक पहल की आवश्यकता महसूस की गई। तीसरा, घरेलू स्तर पर बढ़ता राजनीतिक दबाव। भूमिहीनों के पुनर्वास, पासपोर्ट छपाई विवाद, गणेश नेपाली आत्मदाह प्रकरण तथा अन्य प्रशासनिक मुद्दों पर सरकार को लगातार आलोचना का सामना करना पड़ा है। ऐसे में माना जा रहा है कि यह प्रधानमंत्री की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी सक्रियता बढ़ाकर संतुलन बनाने की कोशिश है जिसकी शुरुआत के क्रम में भारत यात्रा है। बालेन शाह की भारत यात्रा का उद्देश्य दो तरफा है। दोनों देशों के बीच ढेर सारे मुद्दे हैं जिसका समाधान बात चीत के जरिए ही सम्भव है। भारत और नेपाल के बीच सम्बन्ध चूंकि मैत्री पूर्ण है,रोटी बेटी का रिश्ता है,भौगोलिक दृष्टि से भी नेपाल भारत के बेहद करीब है, ऐसे में दोनों देश कभी नहीं चाहेंगे कि वे एक दूसरे से दूरी बनाकर रहे।

दोनों देशों के बीच अभी जिन ताजा मसलों पर चर्चा की संभावना है उसमें सीमा विवाद,हवाई मार्ग और जलविद्युत परियोजनाएं प्रमुख हैं। सीमा विवाद की चर्चा में उत्तराखंड का भू क्षेत्र लिपुलेख लिंपियाधुरा और काला पानी प्रमुख होगा। मानसरोवर मार्ग से भारत चीन के बीच व्यापारिक समझौते पर नेपाल को आपत्ति है। नेपाल के पश्चिमी हवाई क्षेत्र पर बात चीत भी संभव है जहां से पोखरा और भारत सीमा से सटे भैरहवा हवाई अड्डे के लिए नए रूट पर बात हो सकती है। जल विद्युत परियोजनाओं और नेपाल से बिजली निर्यात के समझौते की समीक्षा भी संभव है। प्रधानमंत्री के रूप में बालेन शाह ने जो सख्त रुख अख्तियार किया था अब उसमें कई बदलाव देखे जा रहे हैं। केवल विदेश नीति ही नहीं आर्थिक सुधारों में भी उन्होंने सीधे रुचि लेना शुरू कर दिया है। देखने में आया है कि कई मामलों में वित्त मंत्री स्वर्णिम वाग्ले और वित्त मंत्रालय को दरकिनार कर बालेन शाह सीधे निजी क्षेत्र से संवाद कर रहे हैं।पिछले कुछ सप्ताहों में उन्होंने उद्योगपतियों, निर्माण व्यवसायियों, ऊर्जा उत्पादकों, होटल व्यवसायियों, महिला उद्यमियों, जूता उद्योग, शेयर बाजार से जुड़े प्रतिनिधियों, नेपाल स्टॉक एक्सचेंज (नेप्से), प्रतिभूति बोर्ड तथा ब्रोकरों के साथ लगातार बैठकें की हैं।शेयर बाजार से जुड़े प्रतिनिधियों से मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री ने स्वीकार किया कि सरकार की नीतियों के कारण निवेशकों में भय का माहौल बना है। बालेन शाह जो अपने निर्णय को ही अंतिम और बेहतर मान रहे थे, उसमें भी बदलाव आया है। इसी क्रम में उन्होंने हाल ही में राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (राप्रपा) के अध्यक्ष राजेन्द्र लिङ्देन और अन्य नेताओं से भी मुलाकात कर समसामयिक राजनीतिक परिस्थितियों पर चर्चा की। इसके अलावा निजी शिक्षा और स्वास्थ्य संस्थानों पर लगाए गए तीन प्रतिशत समता कर को लेकर व्यापक विरोध के बाद प्रधानमंत्री ने पहले सोशल मीडिया के माध्यम से इसे वापस लेने की घोषणा की और बाद में मंत्रिपरिषद ने भी इस निर्णय को औपचारिक मंजूरी दे दी। इन सभी घटनाक्रमों के बीच नेपाल की राजनीति में यह चर्चा तेज है कि प्रधानमंत्री बालेन शाह अब अपनी शुरुआती नीतियों से अलग रास्ता अपनाते हुए अधिक सक्रिय, प्रत्यक्ष और स्वतंत्र कूटनीतिक भूमिका निभाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

परीक्षा धोखाधड़ी के खिलाफ जंग

—एम. मुनीर—

भारत ने परीक्षा धोखाधड़ी के खिलाफ जंग छेड़ दी है। पेपर लीक के मामले में अब जेल की अधिक सख्त सजा होगी। संगठित नकल सिंडिकेटों को भारी जुर्माने का सामना करना पड़ेगा। जांच प्रक्रिया तेज होगी। विशेष अदालतें त्वरित न्याय प्रदान करेंगी। संसद ने यह निष्कर्ष निकाला है कि यदि परीक्षाएं किसी क्राइम थ्रिलर जैसी लगने लगें, तो शायद आपराधिक कानून को इसमें बड़ी भूमिका निभानी चाहिए। लेकिन क्या हो, अगर पेपर लीक बीमारी ही न हो? क्या होगा अगर परीक्षा प्रणाली खुद ही एक बीमारी हो? हर साल, लाखों छात्र अपनी किशोरावस्था एक ऐसी परीक्षा की तैयारी में लगा देते हैं, जो सिर्फ कुछ घंटों तक चलती है लेकिन अगले 40 वर्षों के उनके करियर का मार्ग तय करती है। फिर जब प्रश्नपत्र लीक होता है, तो हम हैरान होने का नाटक करते हैं। अत्यधिक जोखिम वाली प्रणालियां अक्सर बड़े अपराधों को जन्म देती हैं।

भारत का कोचिंग उद्योग करियर की चिंता और आशंकाओं पर फलता–फूलता है और यह हमारी प्रवेश प्रणाली के कारण अस्तित्व में है। इसका वाषिक राजस्व 60,000 करोड़ रुपए अनुमानित है और इसके लगातार बढ़ने की उम्मीद है। परिवार अनिवार्य रूप से एक 'लॉटरी' के लिए प्रति माह 50,000 रुपए से अधिक खर्च करते हैं और कुछ तो इसके लिए ऋण भी लेते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (ए.आई.) अब भारत को 1947 के बाद से अपने सबसे मौलिक शैक्षिक सुधारों को लागू करने और देश के परीक्षा दर्शन में संशोधन करने का अवसर देती है।

पहला विचार सरल है। इन्फोसिस के चेयरमैन नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता वाले पैनल को यह सिफारिश करके शुरुआत करनी चाहिए कि उम्मीदवारों को प्रत्येक प्रतियोगी परीक्षा में कई अवसर दिए जाएं। विशिष्ट संस्थानों में प्रवेश चाहने वाले छात्रों को हर महीने सुरक्षित कम्प्यूटर–आधारित परीक्षाएं देने में सक्षम होना चाहिए और रैंकिंग के लिए उनका सर्वोत्तम स्कोर स्वतरू ही चुन लिया जाना चाहिए। ए.आई. संचालित निगरानी, एन्क्रिप्टेड प्रश्न बैंक और एडाप्टिव टैस्ट प्रोटोकॉल इसे संभव बनाते हैं। बहु–अवसर प्रणाली पेपर लीक के प्रोत्साहन को कम करती है क्योंकि कोई भी एक परीक्षा जीवन का अंतिम और एकमात्र फैसला नहीं होती। दूसरा, एक समान प्रश्नपत्रों को समाप्त करें। प्रत्येक उम्मीदवार को एक सत्यापित और हैक–प्रूफ प्रश्न बैंक से ए.आई. द्वारा यादृच्छिक (रैंडमाइज्ड) रूप से तैयार किए गए अद्वितीय प्रश्न मिलने चाहिएं, जो समान कठिनाई स्तरों के लिए कैलिब्रेट किए गए हों। यदि हर प्रश्नपत्र अलग है, तो लीक हुआ पेपर खरीदना जीतने वाले नंबर के घोषित होने के बाद लॉटरी टिकट चुराने जैसा निरर्थक हो जाएगा। तीसरा, यह नाटक करना बंद करें कि स्मरण शक्ति ही बुद्धिमत्ता है। लार्ज लैंग्वेज मॉडल अनगिनत ज्ञान परीक्षणों में पहले से ही मनुष्यों से बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। हमारी परीक्षाओं को तदनुसार विकसित होना चाहिए। छात्रों को स्मार्टफोन पर आसानी से उपलब्ध फॉर्मूले याद करने के लिए कहने की बजाय, इस बात का परीक्षण करें कि वे अपरिचित समस्याओं को कैसे हल करते हैं, ए. आई. जैनरेटेड उत्तरों का मूल्यांकन कैसे करते हैं, मतिभ्रम का पता कैसे लगाते हैं, डाटा की व्याख्या कैसे करते हैं और बुद्धिमान प्रणालियों के साथ जिम्मेदारी से सहयोग कैसे करते हैं।

शहीद शिवराज सुनार की स्मृति में रक्तदान शिविर एसपी अभिजीत आर. शंकर ने किया शुभारंभ

संवाददाता–देवरिया। शहीद शिवराज उर्फ सोना सुनार के 84वें शहादत दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन शनिवार को दिन में 12 बजे से चार बजे तक किया गया। सोनार समाज की नगर एवं जिला इकाई ने न्यू कॉलोनी स्थित लाइफ चौरिटेबल ब्लड सेंटर में इस शिविर का संयुक्त तत्वावधान किया। पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। एसपी अभिजीत आर. शंकर ने कहा कि शहीदों की स्मृति में रक्तदान जैसे पुनीत कार्य का आयोजन प्रशंसनीय और प्रेरणादायी है। उन्होंने बताया कि रक्तदान से जरूरतमंद लोगों का जीवन बचाने में मदद मिलती है और सभी से ऐसे सामाजिक कार्यों में बढ़–चढ़कर भाग लेने की अपील की। सोनार समाज के नगर अध्यक्ष एडवोकेट अविनाश कुमार सिंह और जिलाध्यक्ष दीपक वर्मा ने बताया कि अमर शहीद शिवराज उर्फ सोना सुनार ने देश के लिए अपना जीवन न्योछावर किया था। उनकी स्मृति में हर साल रक्तदान शिविर आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी जाती है। कार्यक्रम के संयोजक आस्था हॉस्पिटल के प्रबंधक अनंत वर्मा थे।

युवती से दुष्कर्म का आरोप, पुलिस हिरासत में आरोपी हुआ बीमार

संवाददाता–देवरिया। फिल्म में हीरोइन बनाने का झांसा देकर एक युवती से दुष्कर्म के आरोप में युवक के खिलाफ रविवार को मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी को हिरासत में लेने के कुछ ही घंटों बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उसे तीन बजे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। पुलिस के अनुसार, रुद्रपुर कोतवाली क्षेत्र की रहने वाली युवती ने सदर कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई। युवती ने आरोप लगाया कि पोखरभिंडा निवासी विनायक पुत्र दिनेश प्रसाद ने खुद को फिल्म निर्माता बताया और उसे फिल्म में हीरोइन बनाने का झांसा दिया। इसी बहाने उसने युवती के साथ दुष्कर्म किया।

युवती की तहरीर के आधार पर सदर कोतवाली पुलिस ने रविवार को विनायक के खिलाफ दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने रविवार सुबह करीब 11 बजे आरोपी को हिरासत में लेकर कोतवाली पहुंचाया। लगभग तीन घंटे बाद दोपहर दो बजे उसकी तबीयत अचानक खराब हो गई। तबीयत बिगड़ने के बाद पुलिस आरोपी को महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज के ट्रॉमा सेंटर ले गई, जहां उसे भर्ती कर इलाज शुरू किया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी को मिर्गी की बीमारी है। उपचार के बाद उसकी स्थिति में सुधार है और वह खतरे से बाहर है। कोतवाल शशिभूषण राय ने जानकारी दी कि युवती की तहरीर पर विनायक के खिलाफ दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी को हिरासत में लेने के बाद उसे मिर्गी का दौरा पड़ा, जिसके बाद उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। मामले की विवेचना की जा रही है।

आरोपी की तबीयत बिगड़ने की सूचना मिलने पर उसके परिजन अस्पताल पहुंचे और पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए। पुलिस का कहना है कि आरोपी की बीमारी और तबीयत बिगड़ने के कारणों की चिकित्सकीय जांच कराई जा रही है। दुष्कर्म के आरोपों की जांच भी साक्ष्यों और बयानों के आधार पर जारी है।

पुलिस के हत्थे चढ़ा चोरी–नकबजनी गिरोह का सरगना, जेल से छूटते ही रच रहा था नई वारदात की साजिश

संवाददाता–बलरामपुर। बलरामपुर पुलिस ने चोरी और नकबजनी की वारदातों को संगठित तरीके से अंजाम देने वाले एक कथित आपराधिक सिंडिकेट के सरगना को रविवार को गिरफ्तार कर लिया। कोतवाली देहात पुलिस के मुताबिक, आरोपी जेल से रिहा होने के बाद दोबारा अपने साथियों को इकट्ठा कर चोरी की नई वारदात करने की तैयारी में जुटा था। उसके खिलाफ बलरामपुर और श्रावस्ती जिलों के विभिन्न थानों में चोरी, नकबजनी और चोरी का माल बरामद होने से जुड़े कुल छह मुकदमे पहले से दर्ज हैं। प्रभारी निरीक्षक गिरिजेश कुमार तिवारी की तहरीर पर आठ अगस्त को कोतवाली देहात क्षेत्र के भीखपुर निवासी विकास पांडेय पुत्र ओमप्रकाश पांडेय और श्रावस्ती जनपद के इकौना थाना क्षेत्र स्थित रमवापुर डकही निवासी मनीष कुमार मिश्र के खिलाफ आपराधिक सिंडिकेट बनाकर संगठित रूप से चोरी–नकबजनी करने और उससे आर्थिक लाभ अर्जित करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। दोनों के पुराने आपराधिक रिकॉर्ड और गतिविधियों को देखते हुए पुलिस ने इसे सुनियोजित सिंडिकेट का मामला माना।

नौ अगस्त की रात वरिष्ठ उपनिरीक्षक रामाश्रय प्रसाद अपनी टीम के साथ गश्त और संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि मुकदमे में वांछित सिंडिकेट लीडर

विकास पांडेय, पुलिस कार्रवाई की भनक लगने के बाद ऐलहवा मोड़ के पास भागने के लिए वाहन का इंतजार कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची, घेराबंदी की और आरोपी को हिरासत में ले लिया। आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद उसे न्यायालय भेज दिया गया।

यह कार्रवाई एसपी विकास कुमार के निर्देशन में, एएसपी विशाल पांडेय और सीओ सिटी अभिषेक सिंह के पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक गिरिजेश तिवारी के नेतृत्व में संपन्न हुई। गिरफ्तारी टीम में वरिष्ठ उपनिरीक्षक रामाश्रय प्रसाद, कांस्टेबल प्रवेन्द्र कुमार और कांस्टेबल राज चौधरी शामिल रहे।

पूछताछ में खुला राज, कर्ज चुकाने के लिए फिर बना रहा था चोरी का प्लान पूछताछ के दौरान आरोपी विकास पांडेय ने कबूल किया कि वह अपने साथी मनीष कुमार मिश्र के साथ मिलकर पहले भी कई बार चोरी और नकबजनी की वारदातों को अंजाम दे चुका है, जिसके चलते दोनों पहले भी जेल जा चुके हैं। करीब तीन–चार महीने पहले जेल से बाहर आने के बाद उस पर कर्ज हो गया था, जिसे चुकाने के लिए वह दोबारा अपने साथियों से मिलकर चोरी करने की योजना बना रहा था। उसने यह भी खुलासा किया कि किसी परिचित के जरिए उसे कोतवाली देहात में अपने खिलाफ मुकदमा दर्ज होने की जानकारी पहले ही मिल चुकी थी।

छह मुकदमों में दर्ज है अपराध का इतिहास प्रभारी निरीक्षक गिरिजेश तिवारी के अनुसार, विकास पांडेय के खिलाफ कोतवाली देहात में वर्ष 2024 के दो मुकदमों के अलावा श्रावस्ती के गिलौला, इकौना और नवीन मार्डन थानों में चोरी, नकबजनी और अन्य धाराओं में चार और मुकदमे दर्ज हैं। इनमें से कई मामलों में पुलिस पहले ही अदालत में आरोपपत्र दाखिल कर चुकी है।

भाजपा ने निकाली कलश वंदन यात्रा

संवाददाता–गोण्डा। कर्नलगंज विधानसभा क्षेत्र के बेलवा नोहर गांव में आज रविवार दोपहर 1.30 बजे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर समरसता संकल्प अभियान के तहत कलश वंदन यात्रा का आयोजन किया था। इस यात्रा में कर्नलगंज भाजपा विधायक अजय सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष अकबाल बहादुर तिवारी, जिला सहसंयोजक नीरज मौर्य, किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष विद्याभूषण द्विवेदी और गोपाल ग्राम मंडल के प्रभारी राजेश तिवारी सहित हजारों कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल हुए है। इस अभियान का उद्देश्य संत रविदास के समरसता, समानता और सामाजिक एकता के संदेश को जन–जन तक पहुंचाना है। यह समरसता संकल्प अभियान 2 अगस्त से शुरू होकर 25 अगस्त तक गोंडा जिले में चलेगा, जिसके तहत संत शिरोमणि रविदास महाराज की जयंती मनाई जाएगी। कर्नलगंज के भाजपा विधायक अजय सिंह ने इस अवसर पर कहा कि संत शिरोमणि रविदास महाराज ने 650 वर्ष पहले समरसता, समानता और सामाजिक एकता का जो संदेश दिया था, उसे आज भी जन–जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने जोर दिया कि वर्तमान भाजपा सरकार में सभी महापुरुषों और संतों को सम्मान मिल रहा है और उनकी जयंती मनाई जा रही है।

विधायक सिंह ने सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के पीडीए में पीडी को पंडित बताए जाने पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव के पीडीए का मतलब हमेशा बदलता रहता है और भाजपा को उस पर ध्यान नहीं देना है। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया, जबकि भाजपा सबका साथ, सबका विकास, सबके विश्वास के सिद्धांत पर काम कर रही है। इस कार्यक्रम में स्थानीय लोग, भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता और पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–महराजगंज। रूपईडीहा पुलिस ने रविवार सुबह करीब 11रू40 बजे नाबालिग किशोरी से दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी को ग्राम हरवंशपुर के पास कर्बला से पकड़ा। आरोपी के खिलाफ पहले छेड़छाड़ और जान से मारने की धमकी का मुकदमा दर्ज हुआ था। विवेचना के दौरान दुष्कर्म से संबंधित धाराएं भी बढ़ाई गईं। पुलिस के अनुसार, 27 जुलाई को पीड़िता के परिजनों की शिकायत पर बसंतपुर निवासी संतोष यादव के खिलाफ छेड़छाड़, जान से मारने की धमकी और पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। जांच आगे बढ़ने पर मामले में दुष्कर्म से संबंधित धाराएं भी जोड़ी गईं। इसके बाद से आरोपी की तलाश की जा रही थी। रविवार को पुलिस को आरोपी के हरवंशपुर के पास होने की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस टीम ने कर्बला के पास घेराबंदी कर संतोष यादव को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तारी के दौरान सर्वोच्च न्यायालय और मानवाधिकार आयोग के दिशा–निर्देशों का पालन किया गया। पुलिस के मुताबिक, रूपईडीहा थाने में मुकदमा अपराध संख्या 194ध् 2026 दर्ज है। आरोपी के खिलाफ ठछै की धारा 74, 64(1), 351(3) और पॉक्सो एक्ट की धारा 3ध्4 के तहत कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक हरेंद्र कुमार मिश्र के नेतृत्व में की गई। टीम में उपनिरीक्षक श्रीप्रकाश सरोज और कांस्टेबल सूरज यादव शामिल रहे। पुलिस के अनुसार, मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

किसान–नौजवान बेहाल, पिछड़ों के हक को मार रही सरकार –संजय

संवाददाता–महराजगंज। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर रविवार को पीडीए जन पंचायत में महंगाई, बेरोजगारी, आरक्षण व कानून–व्यवस्था को लेकर सरकार पर निशाना साधा। जिलाध्यक्ष विद्यासागर यादव की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य संजय विद्यार्थी सविता ने कहा कि सरकार पिछड़ों का हक मार रही है। कहा कि किसान खाद–बीज के लिए परेशान है। नौजवान रोजगार के लिए सड़कों पर संघर्ष कर रहा है। उन्होंने 2027 में सत्ता परिवर्तन के लिए कार्यकर्ताओं से एकजुट होने का आह्वान किया। सविता ने कहा कि प्रदेश में कानून का राज बेहाल है और लूट–खसोट का माहौल बना हुआ है।

किसानों को उनकी जरूरत की खाद–बीज के लिए भटकना पड़ रहा है। महंगाई लगातार बढ़ रही है, जबकि रोजगार के अवसर सीमित होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा पिछड़ी जातियों को मिलने वाले आरक्षण के अधिकार को भी सरकार रोक रही है, जिससे युवाओं को नौकरियों में उनके हक से वंचित होना पड़ रहा है। कहा कि 2027 में सत्ता परिवर्तन के लिए अभी से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना होगा और अखिलेश यादव के नेतृत्व में सपा सरकार बनाने के लिए पूरी ताकत झोंकनी होगी।जिलाध्यक्ष विद्यासागर यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी केवल सत्ता की राजनीति नहीं, बल्कि किसानों, नौजवानों, महिलाओं, दलितों, पिछड़ों व अल्पसंख्यकों के सम्मान व अधिकार की लड़ाई लड़ रही है। बाबा साहब आंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रवण पटेल ने कहा कि सरकार में किसान, नौजवान व पिछड़े अपने हक के लिए संघर्ष कर रहे हैं। संचालन जिला सचिव शमसुल होदा ने किया। पूर्व विधायक श्रीपाद आजाद, सपा नेता निर्मेश मंगल, विन्द्रेश कन्नौजिया, प्रणय गौतम, मख्खू प्रसाद, विजय यादव, जिला महासचिव समसुद्दीन अली, वरुण गौतम, नौशाद आलम, डॉ. शेषनाथ ने अपने विचार रखे। इस दौरान जोखन यादव, केशव जायसवाल, अमरनाथ यादव, सुरेंद्र शर्मा, मकसूद सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गोंडा–अयोध्या सीमा पर 24 अगस्त तक ट्रैफिक डायवर्जन

संवाददाता–गोण्डा। गोंडा–अयोध्या सीमा पर सावन, शिवरात्रि और कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने ट्रैफिक डायवर्जन लागू किया है। यह व्यवस्था अलग–अलग चरणों में 24 अगस्त की रात 11 बजे तक प्रभावी रहेगी। एसपी विनीत जायसवाल ने कांवड़ यात्रा मार्ग, संवेदनशील स्थानों और रूट डायवर्जन प्वाइंट पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं।

एसपी विनीत जायसवाल ने बताया कि गोंडा–अयोध्या सीमा पर लगातार 24 घंटे निगरानी रखी जा रही है। प्रमुख स्थानों पर पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इसके अलावा ब्लूट कैमरों और ड्रोन के जरिए भी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि कांवड़ लेकर जाने वाले श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। रविवार शाम से ही हजारों कांवड़िए डीजे की धुन पर झूमते हुए गोंडा सीमा से अयोध्या की ओर रवाना हुए। श्रद्धालु अयोध्या की सरयू नदी से जल भरकर अपने–अपने जिलों की ओर लौटेंगे। इनमें गोंडा के अलावा बस्ती, अंबेडकरनगर और सिद्धार्थनगर समेत अन्य जिलों के कांवड़िए शामिल हैं।

द्वितीय श्रावण सोमवार और शिवरात्रि के लिए 8 अगस्त की रात से 12 अगस्त सुबह 8 बजे तक डायवर्जन लागू रहेगा। तृतीय श्रावण सोमवार और नागपंचमी के अवसर पर 14 अगस्त सुबह 8 बजे से 17 अगस्त रात 11 बजे तक या भीड़ समाप्त होने तक रूट बदले रहेंगे। अंतिम श्रावण सोमवार के लिए 23 अगस्त सुबह 8 बजे से 24 अगस्त रात 11 बजे तक डायवर्जन लागू रहेगा। लखनऊ से बाराबंकी और गोंडा होकर गोरखपुर, बस्ती, सिद्धार्थनगर और संतकबीरनगर की ओर जाने वाले वाहनों को दर्जीकुआं से डायवर्ट किया जाएगा। इन्हें झिलाही रेलवे क्रॉसिंग, मनकापुर, उतरौला और डुमरियागंज के रास्ते गंतव्य तक भेजा जाएगा। लखनऊ से गोंडा होकर जाने वाले वाहनों को भी दर्जीकुआं से मोतीगंज, मनकापुर, मसकनवा और बभनान मार्ग से भेजा जाएगा। गोंडा में प्रवेश करने वाले वाहनों को धानेपुर–उतरौला मार्ग से डायवर्ट कर बेवा चौराहा और डुमरियागंज की ओर भेजा जाएगा। वहीं अयोध्या होकर लखनऊ जाने वाले वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से निकाला जाएगा।

बलरामपुर, बहराइच, श्रावस्ती और गोंडा से लखनऊ जाने वाले वाहनों को जरवल रोड, टिकोरा मोड़, चहलारीघाट, सिधौली, सीतापुर होते हुए लखनऊ भेजा जाएगा। श्रावण सोमवार के दौरान गोंडा से लखनऊ जाने वाले भारी वाहनों का जरवल रोड–बाराबंकी मार्ग पर संचालन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। ऐसे वाहनों को हुजूरपुर मोड़, टिकोरा मोड़ और सीतापुर मार्ग से डायवर्ट किया जाएगा। प्रशासन ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे निर्धारित डायवर्जन रूट का ही इस्तेमाल करें और कांवड़ यात्रा के दौरान पुलिस–प्रशासन की ओर से जारी यातायात निर्देशों का पालन करें।

त्योहारों को लेकर जरवा कोतवाली में हुई शांति समिति की बैठक

संवाददाता–बलरामपुर। आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण व सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से थाना कोतवाली जरवा के मीटिंग हॉल में शांति व सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष योगेश प्रताप सिंह ने की। थानाध्यक्ष ने कहा कि इस समय चल रहे श्रावण मास की कांवड़ यात्रा के साथ नागपंचमी, रक्षाबंधन, जन्माष्टमी व आगामी बारावफात को लोग सकुशल सम्पन्न कराने में सहयोग करें। माहौल बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। थानाध्यक्ष योगेश प्रताप सिंह ने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी त्योहार आपसी भाईचारे, सौहार्द और शांतिपूर्ण माहौल में मनाएं। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान कानून व्यवस्था प्रभावित करने अथवा माहौल बिगाड़ने का प्रयास करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। थानाध्यक्ष ने लोगों से किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न देने तथा सोशल मीडिया पर भ्रामक या आपत्तिजनक संदेशों को प्रसारित न करने की अपील की। साथ ही किसी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने को कहा। बैठक में प्रधान शकील अहमद, अरशद, चेतराम थारू, घनश्याम यादव, अखिलेश, मैराज खान, मुस्तकीम, सलमान, दीपक यादव, मोहम्मद निसार, रामपाल यादव और मोहम्मद हसन समेत दर्जनों संभ्रांत नागरिक मौजूद रहे। सभी ने त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने और पुलिस–प्रशासन का सहयोग करने का आश्वासन दिया।

सेवरही बाईपास चौड़ीकरण का भूमि पूजनः 18.33 करोड़ से 5.6 किमी सड़क बनेगी

संवाददाता–कुशीनगर। नगर पंचायत सेवरही के बाईपास मार्ग के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण कार्य का भूमि पूजन रविवार दोपहर बाद हनुमान मंदिर शिवा घाट पर विधि–विधान से संपन्न हुआ। 5.6 किलोमीटर लंबे इस मार्ग के लिए 18.33 करोड़ रुपये (1833.39 लाख रुपये) की लागत स्वीकृत की गई है। लोक निर्माण विभाग इस कार्य की कार्यदायी संस्था है।

भूमि पूजन में देवरिया के सांसद शशांक मणि और तमकुहीराज विधानसभा के विधायक डॉ. असीम कुमार ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलश से जल अर्पित कर कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सांसद शशांक मणि ने कहा कि सेवरही बाईपास के चौड़ीकरण से नगर को भीषण जाम से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने बताया कि यह सड़क व्यापार को बढ़ावा देने के साथ ही दुर्घटनाओं को भी कम करेगी। सांसद ने केंद्र और राज्य सरकार को कुशीनगर के चौमुखी विकास के लिए संकल्पित बताया। विधायक डॉ. असीम कुमार ने कहा कि यह मार्ग आम जनता और व्यापारियों दोनों के लिए सुविधाजनक होगा। उन्होंने सरकार की प्राथमिकता सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा बताते हुए गुणवत्तापूर्ण कार्य को तय समय सीमा में पूरा कराने का आश्वासन दिया।

ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि धनंजय तिवारी ने कहा कि सेवरही क्षेत्र की यह लंबे समय से मांग थी और बाईपास बनने से क्षेत्र का विकास तेज होगा। हालांकि, भूमि पूजन कार्यक्रम के फ्लेक्स बोर्ड और शिलापट्ट पर नगर पंचायत अध्यक्ष सोनिया जायसवाल का नाम व फोटो न होने से उनके समर्थकों में भारी रोष देखा गया। समर्थकों का कहना था कि अध्यक्ष होने के नाते उनका नाम और फोटो होना आवश्यक था। कार्यक्रम के दौरान मंच पर सांसद प्रतिनिधि धीरज सिंह और अध्यक्ष प्रतिनिधि त्रिभुवन जायसवाल के बीच नगर पंचायत के कार्यों में हस्तक्षेप को लेकर तीखी कहासुनी भी हुई। वरिष्ठ नेताओं के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ।

इस अवसर पर प्रेमचंद मिश्रा, जेके सिंह, सभासद अजय गुप्ता, मक्खन जायसवाल, सुशील सिंह, ऋषिकेश वर्मा, मिट्ठू, जायसवाल, बैजनाथ जायसवाल, ओम प्रकाश गुप्ता सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

मिशन शक्ति का मेगा जागरूकता अभियानः घरेलू हिंसा और साइबर अपराध से बचाव पर जागरूकता, नशे और यातायात नियमों पर भी चला अभियान

संवाददाता–बलरामपुर। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर रविवार को मिशन शक्ति अभियान के तहत व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश और मिशन शक्ति अभियान के नोडल प्रभारी अपर पुलिस अधीक्षक के मुख्य नेतृत्व में जिले के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस टीमों ने गांवों, कस्बों और विद्यालयों में पहुंचकर लोगों से संवाद किया। ग्राम चौपाल और जनसंवाद कार्यक्रमों के जरिए महिलाओं की समस्याओं को सुना गया।

मिशन शक्ति टीमों ने महिलाओं और बालिकाओं से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली। पुलिस ने शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए उनके त्वरित और प्रभावी निस्तारण के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का भरोसा दिया। टीम ने महिलाओं को यह भी बताया कि किसी भी तरह की परेशानी होने पर वे पुलिस और संबंधित हेल्पलाइन की मदद ले सकती हैं।

जागरूकता कार्यक्रम में दहेज प्रथा, बाल विवाह और घरेलू हिंसा जैसे सामाजिक अपराधों पर विस्तार से चर्चा की गई। पुलिस टीम ने बताया कि बाल विवाह और दहेज प्रथा सामाजिक कुरीतियां होने के साथ दंडनीय अपराध भी हैं। महिलाओं और बालिकाओं को उनके कानूनी अधिकारों और सुरक्षा से जुड़े प्रावधानों की जानकारी देकर किसी भी तरह के उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान के दौरान साइबर अपराध के बढ़ते मामलों को लेकर भी लोगों को जागरूक किया गया। पुलिस ने 'डिजिटल अरेस्ट' जैसी साइबर ठगी से बचने के तरीके बताए। बच्चों को गुड टच–बैड टच की जानकारी देने के साथ अभिभावकों को भी सतर्क रहने की सलाह दी गई। महिलाओं और बालिकाओं को साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल शिकायत करने के लिए प्रेरित किया गया। मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं और बालिकाओं को विभिन्न आपातकालीन और सहायता सेवाओं के नंबर बताए। इनमें वूमेन पावर लाइन 1090, पुलिस सेवा 112, एंबुलेंस 108, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 और साइबर हेल्पलाइन 1930 शामिल हैं। महिलाओं को थाना स्तर पर संचालित मिशन शक्ति केंद्र और परिवार परामर्श केंद्र की सेवाओं की जानकारी भी पुलिस टीमों ने नशा मुक्ति अभियान के तहत मादक पदार्थों के दुष्परिणामों के बारे में लोगों को बताया और नशे से दूर रहने की अपील की। साथ ही सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने और जिम्मेदारी के साथ वाहन चलाने के लिए भी जागरूक किया गया। शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने वाले पंपलेट भी वितरित किए गए। अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने के साथ उन्हें अपने अधिकारों और सरकारी सहायता तंत्र के प्रति जागरूक करना रहा।

501 कन्याओं संग निकली जलयात्रा, बांसी नदी से लाया जल

संवाददाता–कुशीनगर। तमकुही विकास खंड के राजापाकड धाम स्थित श्री जीतेश्वर शिव मंदिर परिसर में श्रावण शिवरात्रि के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय महोत्सव का रविवार को पहला दिन था। इस दौरान 501 कन्याओं के साथ सैकड़ों श्रद्धालुओं ने जलयात्रा निकाली।

मंदिर परिसर से श्रद्धालु दोपहिया और चारपहिया वाहनों से रामायणकालीन बांसी नदी के शिवाघाट पहुंचे। ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर बज रहे भजनों के बीच श्रद्धालु थिरकते, नृत्य करते और जयघोष करते हुए आगे बढ़े। शिवाघाट पहुंचने पर मंत्रोच्चार के बीच कन्याओं ने कलश में, पुरुष श्रद्धालुओं ने विभिन्न पात्रों में तथा समिति सदस्यों ने ड्रम में नदी का जल भरा। पं. कालीचरण मिश्र ने विधिवत पूजन संपन्न कराया। इस जल में देशभर की 151 पवित्र नदियों का जल मिलाकर 11 अगस्त को भगवान जीतेश्वर शिव का अभिषेक किया जाएगा। आयोजन समिति के अध्यक्ष राजू यादव व प्रबंधक मुकेश यादव ने बताया कि सोमवार को मंदिर में जलाभिषेक के साथ अखंड रामचरित मानस पाठ शुरू होगा। शाम को त्रयोदशी प्रदोष पूजा भी की जाएगी। मंगलवार को सावन शिवरात्रि के मुख्य दिन जलाभिषेक, रुद्राभिषेक, हवन–पूजन और प्रसाद वितरण समेत अन्य धार्मिक अनुष्ठान होंगे। इस अवसर पर मृत्युंजय सिंह मोनू, विजय श्रीवास्तव, ईश्वरचंद गुप्त, राजनारायण मिश्र चुन्नू, डब्लू मिश्र, हरेश यादव, संदीप यादव भोलू, आनंद यादव, छोटे ठाकुर, जोखू यादव, पुजारी सुनील मिश्र, बोलार बाबा, हरेंद्र यादव, अनूप गोंड, रवि वर्मा, रामप्रीत गोंड, राणा प्रताप सिंह, हरिशंकर कुशवाहा, विष्णु सिंह और रामपति कुशवाहा सहित कई अन्य लोग उपस्थित रहे।

मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय में अतिथि शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया तेज

संवाददाता–बलरामपुर। मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय में अतिथि शिक्षकों की चयन प्रक्रिया तेज हो गई है। विश्वविद्यालय के विभिन्न शैक्षणिक विभागों में शिक्षण व्यवस्था को मजबूत करने के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के साक्षात्कार का चरणबद्ध कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। इसके तहत 10 से 13 अगस्त तक कृषि, वाणिज्य व सामान्य एवं अनुप्रयुक्त भूगोल से जुड़े अभ्यर्थियों के साक्षात्कार आयोजित किए जाएंगे। सभी साक्षात्कार कोयलरा स्थित विश्वविद्यालय परिसर में सुबह 10 बजे से शुरू होंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार चयन प्रक्रिया में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि पर सभी मूल शैक्षिक प्रमाणपत्रों व आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होना है। तय समय पर नहीं पहुंचने वाले अभ्यर्थियों को साक्षात्कार में शामिल होने का अवसर नहीं दिया जाएगा। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रशासन ने अभ्यर्थियों से निर्धारित तिथि और समय का विशेष ध्यान रखने की अपील की है। 10 अगस्त को कृषि व 11 अगस्त को वाणिज्य के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार होगा। चयन प्रक्रिया के अगले चरण की शुरुआत 10 अगस्त से होगी। इस दिन कृषि विद्यालय के अंतर्गत कृषि विज्ञान, कृषि वानिकी एवं गन्ना तथा मृदा एवं कृषि रसायन विषयों के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया जाएगा। इसके बाद 11 अगस्त को वाणिज्य विद्यालय के अभ्यर्थियों के लिए साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी संबंधित अभ्यर्थियों को समय से परिसर में पहुंचने के निर्देश दिए हैं। अभ्यर्थियों के दस्तावेजों के सत्यापन के साथ ही उनकी शैक्षिक योग्यता और संबंधित विषय में विशेषज्ञता के आधार पर चयन प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। सामान्य एवं अनुप्रयुक्त भूगोल विद्यालय के अभ्यर्थियों के लिए साक्षात्कार 12 और 13 अगस्त को निर्धारित किया गया है। इस विद्यालय के सभी अभ्यर्थियों का साक्षात्कार एक ही दिन नहीं होगा। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से अभ्यर्थियों को उनके साक्षात्कार की तिथि की जानकारी अलग–अलग दी जाएगी। इसके लिए संबंधित अभ्यर्थियों को फोन और ई–मेल के माध्यम से सूचना भेजी जाएगी। विश्वविद्यालय ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे अपने पंजीकृत फोन नंबर व ई–मेल की नियमित रूप से जांच करते रहें, ताकि साक्षात्कार तिथि को लेकर किसी प्रकार की असमंजस की स्थिति न रहे। अतिथि शिक्षकों के चयन की प्रक्रिया के तहत विश्वविद्यालय में इससे पहले सात अगस्त को कंप्यूटर विज्ञान विद्यालय व आठ अगस्त को विधि अध्ययन विद्यालय के लिए साक्षात्कार लिए जा चुके हैं। इन दोनों विद्यालयों की चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब विश्वविद्यालय प्रशासन का ध्यान अन्य शैक्षणिक विभागों में चयन प्रक्रिया पूरी कराने पर है। विभिन्न विषयों में अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति से विद्यार्थियों की पढ़ाई बेहतर बनाने व शिक्षण व्यवस्था को और प्रभावी करने में मदद मिलेगी। विश्वविद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों के विस्तार व शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए चयन प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जा रहा है। साक्षात्कार में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को अपने सभी शैक्षणिक प्रमाणपत्र, आवश्यक दस्तावेज व अन्य मांगे गए अभिलेख साथ लेकर पहुंचना होगा।

सत्ता का मद कितना खतरनाक, कांग्रेस के पतन से देखिए –मुख्यमंत्री योगी

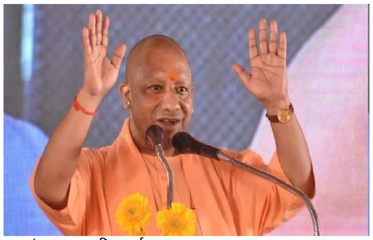

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। सीएम योगी आदित्यनाथ रविवार को सिद्धार्थनगर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने जिले को 311 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने कुल 107 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। बांसी में रतन सिंह इंटर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने सिद्धार्थनगर के धार्मिक, ऐतिहासिक और विकास से जुड़े पहलुओं पर विस्तार से बात रखी। उन्होंने काकोरी ट्रेन एक्शन, युवाओं, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, कानून–व्यवस्था, किसानों, गरीबों और सरकार की योजनाओं का जिक्र किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहाकि मेरा सौभाग्य है कि महात्मा बुद्ध की पावन भूमि सिद्धार्थनगर पर मुझे आने का अवसर प्राप्त हुआ है। भगवान बुद्ध से राजकुमार सिद्धार्थ यानी राजकुमार सिद्धार्थ ही ज्ञान प्राप्त होने के बाद उन्हें भगवान बुद्ध के रूप में दुनिया जानती है। यह आप सबका सौभाग्य है कि भगवान बुद्ध के नाम पर बने हुए उनके बचपन के नाम राजकुमार सिद्धार्थ के नाम पर इस जनपद का नाम सिद्धार्थनगर है।ƒ उन्होंने कहा कि इस जनपद में जन्म लेने, इस जनपद में आगे बढ़ने और सेवा का सौभाग्य अपने आप में जीवन को धन्य करता है। योगी ने कहा कि आज से ढाई हजार वर्ष पहले जो जनपद अपने वैभव के लिए विख्यात था, जो क्षेत्र और राज्य अपने वैभव के लिए विख्यात रहा होगा, आखिर क्या कारण था कि वह आजादी के बाद 75 वर्ष तक विकास के लिए तरसता रहा। आकांक्षात्मक जनपद बना रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिद्धार्थनगर जनपद जो आकांक्षी था, पिछले 8–9 वर्षों के अंदर जो प्रयास हुआ है, प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन और नेतृत्व में देश के अंदर 112 जनपद आकांक्षी जनपद हैं। अग्रणी छलांग लगाने वाला अगर कोई जनपद है और नीति आयोग से 25 करोड़ रुपए का पुरस्कार प्राप्त करने वाला कोई जनपद है तो वह सिद्धार्थनगर जनपद है। उन्होंने कहा कि अब यह आकांक्षात्मक नहीं, बल्कि विकास के पायदान पर तेजी के साथ अग्रणी भूमिका के लिए जाना जाने वाला जनपद है। विकास के लिए प्रयास करना पड़ता है, पुरुषार्थ करना पड़ता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि ऐसे दिन बांसी में आने का अवसर प्राप्त हुआ है। रतन सिंह इंटर कॉलेज की समृद्ध परंपरा रही है और उस परंपरा के साथ इस इंटर कॉलेज में आज आपके बीच आने का अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि एक बड़ी परंपरा और उस परंपरा का निर्माण करने के लिए आज प्रातःकाल में काकोरी ट्रेन एक्शन से जुड़े कार्यक्रम में था।

प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर हर नागरिक के मन में स्वयं के साथ से ऊपर उठकर परमार्थ के लिए देश और दुनिया के लिए कुछ किया जा सके, देश के बारे में जो सोचा जा सके, इसके लिए भावना पैदा हो, इसके लिए भारतीय जनता पार्टी ने तिरंगा यात्रा का आयोजन किया। आज लखनऊ में 30 हजार युवा उस तिरंगा यात्रा का हिस्सा बने। एक ही स्लोगन था– भारत माता की जय। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज काकोरी ट्रेन एक्शन घटना का भी दिन है। आज ही के दिन 9 अगस्त 1925 को लखनऊ के काकोरी में अंग्रेज जो खजाना भारत का लूट करके इंग्लैंड ले जाना चाहते थे, उस खजाने को भारत की स्वाधीनता के यज्ञ में लगाना था। इसके लिए पंडित राम प्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व में ठाकुर रोशन सिंह, अशफाक उल्ला खान, चंद्रशेखर आजाद, राजेंद्र नाथ लहरी, सचिंद्रनाथ सान्याल, सचिंद्रनाथ बक्शी जैसे क्रांतिकारियों ने उस समय उस खजाने को अपने हाथ में लेकर क्रांतिकारियों को भारत की आजादी के लिए अर्पित किया था। उन्होंने कहा कि जो महान क्रांतिकारी अपना जीवन दांव पर लगाकर भारत को आजाद करने के लिए कार्य कर रहे थे, कांग्रेस के लोगों ने अंग्रेजों से डकैती कहा। आजादी के बाद कांग्रेस ने भी उसे डकैती कहा। प्रधानमंत्री मोदी ने काकोरी घटना का नाम बदलकर काकोरी ट्रेन एक्शन में बदलकर क्रांतिकारियों को सम्मान देने का काम किया। योगी ने कहा कि भारत मां के महान सपूतों को आजादी के बाद जिन लोगों के हाथों में 27 वर्ष सत्ता के मध्य में इतनी मुश्किल हो गए, हर संस्था का नाम अपने खानदान के नाम कर रहे थे, उन्हें क्रांतिकारियों के स्मारक नहीं दिखाई दिए। उन्हें क्रांतिकारियों का स्मरण नहीं आया। राम प्रसाद बिस्मिल को भुला दिया गया, ठाकुर रोशन सिंह को भुला दिया गया, अशफाक उल्ला खान को भुला दिया गया, चंद्रशेखर आजाद को भुला दिया गया, सुखदेव राज को भुला दिया गया, वीर सावरकर को भुला दिया गया और तो और महाराज सुहेलदेव को भी लोग भूल गए। निषादराज गुहा को भूल गए। उन्होंने कहा कि सत्ता का मान कितना खतरनाक होता है, अगर यह देखना है तो कांग्रेस के पतन के साथ आप जोड़कर देख सकते हैं। इन्होंने क्रांतिकारियों को भुलाया है तो आज देश के युवा कांग्रेस को पूरी तरह दफन करके रख दिया है। कांग्रेस पूरी नेगेटिव ट्रैक के साथ चल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत गुलाम क्यों हुआ? भारत की गुलामी के दो कारण थे। एक कारण था अंतरविरोध। आपस में एक–दूसरे को नीचा दिखाने की प्रवृत्ति, जाति के नाम पर, क्षेत्र के नाम पर, भाषा के नाम पर समाज को बांटने की प्रवृत्ति। दूसरा अपने ही संस्थाओं के प्रति षड्यंत्र करने के भाव। हर व्यक्ति इस बात को मानता था। जिन लोगों का दायित्व था देश को दिशा देने का, समाज को आगे बढ़ाने का, वही लोग उस समय समाज को दिग्भ्रमित कर रहे थे। देश गुलाम हुआ। योगी ने कहा कि सैकड़ों वर्षों की गुलामी के खिलाफ 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से चली एक लड़ाई कभी मंगल पांडे ने जो चिंगारी जलाई थी और जानकारी गोरखपुर में बंधू सिंह ने जलाई थी, जो चिंगारी बिठूर में तात्या टोपे के नेतृत्व में आगे बढ़ी थी, जो चिंगारी झांसी में झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के नेतृत्व में आगे बढ़ी थी, वह चिंगारी आगे बढ़ती गई।

इस चिंगारी का परिणाम था कि लगातार किसी न किसी जनपद में क्रांतिकारियों द्वारा अंग्रेजों को चूलों से हिलाने का काम किया जाता रहा। यह लड़ाई आगे बढ़ती रही। 1922 में गोरखपुर में चौरी–चौरा घटना, 1925 में लखनऊ की काकोरी ट्रेन एक्शन की घटना और यह लगातार 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन तक चलता रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज 9 अगस्त काकोरी ट्रेन एक्शन की तिथि है। हर नौजवान को अपनी मातृभूमि के साथ मातृभूमि को सर्वोच्च मानते हुए अमर बलिदानियों ने अपना बलिदान दिया था। मातृभूमि को सर्वोच्च मानते हुए पंडित राम प्रसाद बिस्मिल फांसी के फंदे पर झूले थे। ऐसे क्रांतिकारी सब कुछ भारत माता के चरणों में समर्पित करते हुए अपने आप को आजादी की इस लड़ाई में समर्पित किए थे। उन्होंने कहा कि आज जो पाप उस कालखंड में बांटने का काम उस कालखंड में उन लोगों ने किया था, जिसके कारण यह देश गुलाम हुआ था, वही पाप आज कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेता समाज को जाति के नाम पर बांटने का काम कर रहे हैं। योगी ने कहा कि कोई पूछे तो इन लोगों से उनके बांटने का परिणाम क्या है। किसी ने पूछने का प्रयास किया क्या कभी कि देश के अंदर और प्रदेश के अंदर सर्वाधिक कांग्रेस ने शासन किया, लेकिन उन्होंने अपने समय में क्या–क्या किया था? युवाओं के लिए क्या किया था? किसानों के लिए क्या किया था? गरीबों के लिए क्या किया था? आज आप देखते होंगे प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्ष में बदलते हुए भारत को हम देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस भारत के बारे में कहा जाता था कि भारत एक पिछड़ा राज्य, यह भारत विरोधियों के सामने टिक नहीं पाएगा। आज वह भारत सनातन करके अपने विरोधियों के सामने खड़ा है और दुनिया भारत की ओर देख रही है।

12वीं की संदिग्ध हालत में मौत

संवाददाता–संतकबीरनगर। खलीलाबाद में एक शिक्षिका के मकान में रहकर पढ़ाई कर रही 17 साल की छात्रा का शव छत के आंगन में कुंडी से लटका मिला। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। छात्रा के परिजनों ने इसे हत्या बताते हुए मामले की गहन जांच की मांग की है। मृतक छात्रा की पहचान गोरखपुर के हरपुर–बुदहट थाना क्षेत्र के रेवड़ा गांव निवासी रामदरश यादव की बेटी संजनी यादव (17) के रूप में हुई है। संजनी राजकीय इंटर कॉलेज खलीलाबाद में कक्षा 12 की छात्रा थी। वह पिछले लगभग दो वर्षों से खलीलाबाद के घोरखल मोहल्ले में प्रेम सागर यादव के मकान में अपनी सहेली अंशिका के साथ रहकर पढ़ाई कर रही थी। देर रात मकान मालिक ने छात्रा के परिजनों को संजनी के फंदे से लटकने की सूचना दी। बताया गया कि संजनी का शव मकान की छत के आंगन में दुपट्टे के सहारे कुंडी से लटका हुआ था। घटना के समय घर में कोई मौजूद नहीं था। मकान मालिक दंपती भी सुबह से घर से बाहर थे। सूचना मिलते ही कोतवाली खलीलाबाद के प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश दुबे पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को तत्काल कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

संजनी तीन बहनों में मझली थी और पढ़ाई में काफी होनहार बताई जा रही है। परिजनों ने बताया कि तीन दिन पहले ही उनसे संजनी की बात हुई थी। छात्रा की अचानक हुई मौत से परिवार में गहरा सदमा है और वे हत्या की आशंका जता रहे हैं।

रेलवे इम्प्लाई और बैंक कर्मचारी बेटी पर एक और एफआईआर, 93 लाख धोखाधड़ी का मामला

संवाददाता–गोरखपुर। एक रेलवे कर्मचारी, उसकी बैंक कर्मचारी बेटी, पति और अन्य बैंक कर्मचारियों के खिलाफ एक और एफआईआर दर्ज की गई है। इन पर होम लोन माफ कराने का झांसा देकर बैंकों से लोन कराकर रुपये हड़पने का आरोप है। आरोप है कि एक लोन के नाम पर पांच बैंकों से करीब 93.20 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत कराकर रकम हड़पा गया। आरोपितों पर बैंक कर्मचारियों और एजेंटों की मिलीभगत से फर्जी तरीके से लोन कराने, बिना जानकारी बैंक खाता खोलने और रकम दूसरे खातों में ट्रांसफर कराने का आरोप है। पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। मोहद्दीपुर निवासी मोहन सिंह रेलवे में स्टेशन अधीक्षक हैं। तहरीर में उन्होंने बताया कि उनके सहकर्मी और रिश्तेदार ध्रुवनारायण सिंह की बेटी गरिमा सिंह ने उन्हें भरोसा दिलाया कि वह फाइनेंस कंपनी में काम करती है और किसी का भी लोन बंद करा सकती है। उसने बताया कि एक बैंक से पर्सनल लोन लेकर रकम उसे देनी होगी। उसकी ईएमआई वह खुद भरेगी और एक साल के भीतर लोन बंद करा देगी। ध्रुवनारायण सिंह की गारंटी पर मोहन सिंह इसके लिए तैयार हो गए।

आरोप है कि इसके बाद गरिमा और उसके साथियों ने एक सप्ताह के भीतर एक की जगह पांच बैंकों से मोहन सिंह के नाम पर करीब 93,20,866 रुपये का लोन स्वीकृत करा दिया। इनमें आईसीआईसीआई, एचडीएफसी, यस बैंक, कोटक और बजाज बैंक से लिए गए ऋण शामिल हैं। मोहन सिंह के मुताबिक उन्हें इसकी जानकारी होने पर आपत्ति जताई, लेकिन लोन बंद कराने का भरोसा देकर चेक के माध्यम से रकम दूसरे खातों में ट्रांसफर करा ली गई। पीड़ित का आरोप है कि करीब 14 महीने तक गरिमा ने ईएमआई भरी, इसके बाद भुगतान बंद कर दिया। बैंक से लगातार फोन आने पर मोहन सिंह ने गरिमा के घर पहुंचकर जानकारी ली तो वहां कई अन्य लोग भी मौजूद मिले। आरोप है कि वे भी इसी तरह के लोन में फंसाए गए थे। तहरीर में गरिमा के पति भानू प्रताप सिंह, पिता ध्रुरुवनारायण सिंह, लोन एजेंट विशाल यादव, चंद्र प्रकाश, राजेंद्र कुमार और एसबीआई लोन कर्मी दिनकर मणि त्रिपाठी समेत अन्य लोगों पर मिलीभगत का आरोप लगाया गया है। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि उसके हस्ताक्षर वाले कुछ ब्लैंक चेक लिए गए तथा उसकी जानकारी के बिना उसके नाम से एक बैंक खाता भी खोला गया। उसने परिवार को खतरे की आशंका जताते हुए सुरक्षा की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपों और बैंक खातों से जुड़े दस्तावेजों की जांच शुरू कर दी है। इस मामले में यह चौथा केस दर्ज है। आरोपी गरिमा और उसके पिता को पुलिस जेल भेज चुकी है। तीन केस एम्स थाने में जबकि एक केस सहजनवा थाने में दर्ज है। अब पुलिस सभी केस में रिमांड लेने की तैयारी में है।

बिजली ठेकेदार की हत्या पर आक्रोश, घंटों जाम रहा गोरखपुर–महराजगंज फोरलेन, 4 गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। सिकरीगंज थाना क्षेत्र में अधिवक्ता के पिता की हत्या के मामले में रविवार को पोस्टमार्टम हाउस पर आक्रोशित अधिवक्ताओं और समर्थकों ने जमकर प्रदर्शन किया। हत्यारोपितों की गिरफ्तारी, फांसी की सजा,आरोपितों के घरों पर बुलडोजर चलाने और सिकरीगंज थाने के पूरे स्टाफ को निलंबित करने की मांग को लेकर गोरखपुर–महराजगंज फोरलेन की दोनों लेन करीब ढाई घंटे तक जाम रखा। भीड़ ने कई पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के वाहनों को रोककर वापस कर दिया। एसएसपी डॉ. कौस्तुभ और जिलाधिकारी दीपक मीणा के मौके पर पहुंचकर वार्ता करने पहुंचे। चार आरोपियों की गिरफ्तारी और अन्य मांगों को पूरा किए जाने के आश्वासन के बाद धरना खत्म हुआ।

रविवार को अधिवक्ता के पिता के शव का पोस्टमार्टम दो चिकित्सकों के पैनल ने वीडियोग्राफी के बीच किया। पोस्टमार्टम सुबह 11:50 बजे शुरू हुआ और करीब 12:40 बजे तक चला। पोस्टमार्टम शुरू होने से पहले ही करीब 11:30 बजे अधिवक्ता के समर्थन में जुटे सैकड़ों लोगों ने पोस्टमार्टम हाउस के सामने गोरखपुर–महराजगंज फोरलेन जाम कर दिया था। पुलिस के समझाने पर कुछ देर बाद जाम खुल गया, लेकिन पोस्टमार्टम शुरू होते ही दोपहर करीब 12 बजे भीड़ ने दोबारा दोनों लेन पर आवागमन रोक दिया। इस दौरान केवल एंबुलेंस को जाने दिया गया। महराजगंज की ओर से आ रही एडीएम एलआर की गाड़ी को भीड़ ने रोक लिया। उग्र भीड़ ने गाड़ी को धक्का देकर वापस भेज दिया। कुछ देर बाद एसपी दक्षिणी मौके पर पहुंचे तो प्रदर्शनकारियों ने पुलिस प्रशासन मुर्दाबाद,वापस जाओ के नारे लगाकर विरोध किया। करीब डेढ़ बजे एसपी सिटी निमिष पाटिल भी मौके पर पहुंचे। उन्हें भी पुलिस प्रशासन के विरोध में नारेबाजी का सामना करना पड़ा। प्रदर्शनकारी लगातार डीएम व एसएसपी को मौके पर बुलाकर वार्ता करने की मांग पर अड़े रहे। उनका कहना था कि डीएम व एसएसपी के मौके पर पहुंचकर बातचीत करने तक किसी अन्य अधिकारी से वार्ता नहीं की जाएगी। पूरे घटनाक्रम के दौरान प्रदर्शनकारियों में पुलिस–प्रशासन के प्रति काफी आक्रोश दिखा। हत्यारोपितों को फांसी देने,उनके घरों पर बुलडोजर चलाने और सिकरीगंज थाने के पूरे स्टाफ को निलंबित करने की मांग को लेकर नारेबाजी होती रही।करीब 2:10 बजे जिलाधिकारी दीपक मीणा और एसएसपी डॉ. कौस्तुभ मौके पर पहुंचे।

दोनों अधिकारियों ने परिवार के सदस्यों और अधिवक्ता के समूह से बातचीत की। प्रदर्शनकारियों ने अधिकारियों के सामने अपना मांगपत्र रखा। मांगों पर कार्रवाई का आश्वासन मिलने के बाद सहमति बनी। इसके बाद परिजन पोस्टमार्टम हाउस से शव लेकर घर के लिए रवाना हुए।

शिक्षा से ही तय होगी बेटियों की नई उड़ान –ओमप्रकाश राजभर

संवाददाता–अंबेडकरनगर। चित बहाल आदर्श बालिका इंटर कॉलेज, पूरनपुर में रविवार को स्वागत समारोह और शिक्षक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रबंधक महेंद्र प्रताप सिंह और प्रधानाचार्य डॉ. सुषमा सिंह ने पुष्पगुच्छ व स्मृति चिह्न भेंटकर उनका स्वागत किया। मंत्री ने छात्राओं की शिक्षा और विद्यालय के शैक्षिक माहौल पर शिक्षकों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए लगन, परिश्रम और निरंतर मेहनत जरूरी है। शिक्षा के बिना आगे बढ़ने की संभावनाएं सीमित हो जाती हैं। शिक्षा से ही बेटियों की नई उड़ान तय होगी। उन्होंने छात्राओं से पढ़ाई पर ध्यान देने और अपने लक्ष्य के लिए लगातार प्रयास करने की बात कही। मंत्री ने प्रदेश में शिक्षा, रोजगार और सरकारी योजनाओं से जुड़े कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने रोजगार के अवसर और गरीब परिवारों को विभिन्न योजनाओं का लाभ मिलने की बात कही। कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के इस विद्यालय की छात्राओं ने जिले और प्रदेश स्तर पर उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रधानाचार्य डॉ. सुषमा सिंह ने विद्यालय की प्रगति, उपलब्ध संसाधनों और आगामी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सीमित संसाधनों के बावजूद शिक्षक मेहनत से छात्राओं को बेहतर शिक्षा देने में जुटे हैं। प्रभारी मंत्री ने जरूरत पड़ने पर विद्यालय प्रबंधन को सहयोग का भरोसा दिया। इस दौरान प्राचार्य डॉ. विजय प्रताप सिंह, अर्चना त्रिपाठी, दिनेश प्रताप सिंह, विवेक सिंह, रितु सिंह, कंचन यादव, कामना राय, राहुल सिंह, प्रिया पांडेय, माया द्विवेदी, दिलीप यादव, ज्ञानेंद्र सिंह, बब्लू सिंह, कंचन मिश्रा, तरुण पांडेय व अन्य उपस्थित रहे।

बेटे के सामने मां से रेप की कोशिश, कपड़े फाड़े, चलती गाड़ी से दोनों को फेंका

संवाददाता–गोरखपुर। पति के खिलाफ चल रहे मुकदमे में भरण–पोषण का खर्च दिलाने के नाम पर एक महिला को हाई कोर्ट ले जाने के दौरान उसके साथ अश्लीलता और दुष्कर्म का प्रयास किया गया। महिला ने आरोप लगाया है कि विरोध करने पर युवक और उसकी साथी युवती ने उसके कपड़े फाड़ दिए और उसे बेटे समेत गाड़ी से नीचे फेंक दिया। इसके बाद ईंट से हमला कर घायल कर दिया गया। गीडा पुलिस ने महिला की तहरीर पर युवक और उसकी साथी युवती के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

देवरिया के गौरीबाजार थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली महिला वर्तमान में गोरखपुर के झंगहा क्षेत्र के एक गांव में रहती है। महिला के पति के खिलाफ दहेज उत्पीड़न से जुड़ा मुकदमा चल रहा है। इसी मामले में वह गोरखपुर दीवानी कचहरी आती–जाती थी। इसी दौरान उसकी मुलाकात गीडा सेक्टर पांच में किराये के मकान में रहने वाली एक युवती से हुई। महिला उसके यहां घरेलू काम कर अपने और बेटे का पालन–पोषण करने लगी। महिला के अनुसार, सात अगस्त को युवती ने अपने एक दोस्त के साथ उसे बताया कि हाई कोर्ट चलने पर वहां से भरण–पोषण का खर्च दिलाने में मदद मिलेगी। भरोसे में आकर महिला अपने बेटे के साथ दोनों के साथ गाड़ी में इलाहाबाद हाई कोर्ट चली गई।

महिला का आरोप है कि वापसी के दौरान रास्ते में युवक और युवती ने बीयर की छह बोतलें खरीदीं और गाड़ी में पीने लगे। दोनों ने महिला को भी शराब पिलाने का प्रयास किया, लेकिन उसने मना कर दिया। आरोप है कि इसके बाद युवक ने गाड़ी में उसके साथ अश्लील हरकत शुरू कर दी और जबरन संबंध बनाने का प्रयास किया। महिला के विरोध करने पर आरोप है कि युवक और युवती ने मिलकर उसकी कुर्ती फाड़ दी और उसे तथा उसके बेटे को गाड़ी से नीचे फेंक दिया। इसके बाद गाड़ी से उतरकर युवक ने ईंट से उसका मोबाइल तोड़ दिया और महिला पर भी ईंट से हमला कर घायल कर दिया।

आरोप है कि शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई। महिला ने बताया कि वह सड़क पर बेहोशी की हालत में पड़ी थी। स्थानीय लोगों ने उसकी मदद की और उपचार कराया। इसके बाद उसने डायल–112 पर सूचना दी। पुलिस की मदद से वह गोरखपुर पहुंची और गीडा सेक्टर पांच स्थित युवती के मकान पर जाकर जानकारी जुटाई। बाद में थाने पहुंचकर तहरीर दी। पुलिस ने महिला की तहरीर पर ज्योति मिश्रा और उसके साथी रवि प्रताप सिंह के खिलाफ संबंधित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

महामाया मेडिकल कॉलेज में हर घर तिरंगा अभियान शुरू

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज में रविवार को शासन के दिशा–निर्देशों के तहत श्हर घर तिरंगाश अभियान का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अभियान में एमबीबीएस, नर्सिंग और पैरामेडिकल के छात्र–छात्राओं ने पूरे उत्साह और जोश के साथ भाग लिया, जिससे कॉलेज परिसर में देशभक्ति का माहौल बन गया। कार्यक्रम का आरंभ अकादमिक ब्लॉक से हुआ। इसके बाद, सैकड़ों छात्र–छात्राओं ने अपने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लेकर मेडिकल कॉलेज परिसर में एक भव्य प्रभात फेरी निकाली। इस दौरान, श्भारत माता की जयश और श्वंदे मातरमश जैसे देशभक्ति के नारों से पूरा परिसर गूंज उठा, जिससे हर किसी में राष्ट्रप्रेम की भावना और उत्साह का संचार हुआ। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में कल्चरल कमेटी के सचिव डॉ. पंकज सहित महाविद्यालय के कई छात्र–छात्राएं और अन्य स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहे, जिन्होंने अभियान को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। प्रधानाचार्य डॉ. मुकेश यादव ने इस अवसर पर श्हर घर तिरंगाश अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस अभियान का मुख्य लक्ष्य नागरिकों में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान, देशभक्ति की भावना को मजबूत करना और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना है। उन्होंने सभी से इस राष्ट्रीय अभियान में बढ़–चढ़कर हिस्सा लेने और अपने–अपने घरों पर तिरंगा फहराने का हार्दिक आह्वान किया।

प्रभात फेरी के दौरान विद्यार्थियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। उनके चेहरों पर राष्ट्र के प्रति गौरव और प्रेम स्पष्ट झलक रहा था।

गोंड समाज ने विश्व आदिवासी दिवस पर जुलूस निकाला

संवाददाता–संतकबीरनगर। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को गोंड धुरिया जनजाति संघर्ष मोर्चा ने खलीलाबाद शहर में जुलूस यात्रा निकाली। संगठन के संरक्षक राम लखन गौड़ के नेतृत्व में सैकड़ों आदिवासी पारंपरिक वेशभूषा में तीर–धनुष और आदिवासी झंडे लेकर शामिल हुए। उन्होंने जल–जंगल–जमीन, वनाधिकार, आरक्षण और संवैधानिक अधिकारों को लेकर आवाज बुलंद की। इस दौरान समाज के लोगों ने भारतीय आदिवासी समाज के शौर्य और सम्मान की प्रतीक गोंडवाना की वीरांगना महारानी दुर्गावती और स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमाएं खलीलाबाद नगर के दो प्रमुख चौराहों पर स्थापित करने की मांग की। मोर्चा की ओर से कलेक्ट्रेट में दिए गए ज्ञापन में बताया गया कि पूर्व के विभिन्न शासनादेशों और शासनादेश संख्या 676 दिनांक 24 फरवरी 2023 के माध्यम से संतकबीरनगर के गोंड (धुरिया) समुदाय को अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में घोषित किया गया है। इससे पहले यह समुदाय जनपद में अनुसूचित जाति की श्रेणी में था। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि विभिन्न शासनादेशों और जिला स्तरीय कमेटी के 14 अक्तूबर 2015 के आदेश के अनुपालन में खलीलाबाद, मेंहदावल और धनघटा तहसीलों में जांच के बाद हजारों लोगों को अनुसूचित जाति के प्रमाण पत्र जारी किए जा चुके हैं। हालांकि, ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि शासनादेशों और जिला स्तरीय कमेटी के आदेशों के बावजूद वर्तमान में गोंड अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र के आवेदनों पर लेखपालों द्वारा मनमाने ढंग से नकारात्मक रिपोर्ट लगाई जा रही है। इन्हीं रिपोर्टों के आधार पर तहसील स्तर से आवेदन निरस्त किए जा रहे हैं, जिससे पात्र लोगों को शासन की सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। समाज के लोगों ने संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने और शासनादेशों के अनुरूप पात्र गोंड (धुरिया) व्यक्तियों को अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र जारी करने के लिए स्पष्ट आदेश जारी करने की मांग की। इस मौके पर रामानंद गोंड, बड़ेलाल गोंड, ईश्वर चंद्र गोंड, श्रवण कुमार गोंड, मनोज गोंड, रामभजन गोंड, ललित नारायण गोंड, डॉ. आनंद कुमार गोंड, कन्हैया गोंड, भुलई प्रसाद गोंड और धर्मेंद्र कुमार गोंड समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

महंगाई, खाद, बिजली और रोजगार से ध्यान भटका रही सरकार –अवधेश प्रसाद

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में सांसद अवधेश प्रसाद ने भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सरकार महंगाई, किसानों के खाद, बिजली, शिक्षा और रोजगार जैसे ज्वलंत मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए युवाओं पर लाठीचार्ज कर रही है। उन्होंने राम मंदिर चढ़ावा चोरी और एक दलित बेटी पर हुए हमले के मामलों में सरकार की निष्क्रियता पर सवाल उठाए। सिविल लाइन स्थित एक होटल में आयोजित प्रेसवार्ता में सांसद ने कहा कि देश का सबसे ज्वलंत मुद्दा महंगाई है। किसानों को खाद और बिजली की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। शिक्षा और रोजगार के अवसर भी युवाओं के लिए एक बड़ी चुनौती बने हुए हैं। आरोप लगाया कि सरकार इन वास्तविक समस्याओं को छिपाने के लिए युवाओं के विरोध प्रदर्शनों को बलपूर्वक दबा रही है। यह सरकार की जनविरोधी नीतियों का परिणाम है। राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण पर बोलते हुए सांसद अवधेश प्रसाद ने नितिन मिश्रा का नाम लिया। कहा कि नितिन मिश्रा निर्माण कार्य में शामिल थे। आरोप लगाया कि सभी संबंधित लोगों ने मिलकर इतनी बड़ी चढ़ावा चोरी को अंजाम दिया है। दावा किया कि इस मामले में निचले स्तर के लोगों को फंसाया जा रहा है। उन्होंने इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग की।

सांसद अवधेश प्रसाद ने एक 25 साल की दलित बेटी पर हुए हमले का जिक्र किया। कहा कि कुछ लोगों ने जानबूझकर उस पर गाड़ी चढ़ा दी। इसके बाद दोबारा गाड़ी चढ़ाकर उसे गंभीर रूप से घायल किया गया। यह घटना 5 तारीख को हुई थी और एफआईआर भी दर्ज की गई थी।

हालांकि, अभी तक इस मामले में कोई सुनवाई नहीं हुई है। न ही किसी आरोपी की गिरफ्तारी हुई है। प्रसाद ने आज सुबह पीड़ित परिवार से मुलाकात की और उन्हें न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि दोषियों को जल्द से जल्द सजा मिलनी चाहिए।

राम मंदिर दान चोरी के बीच नई व्यवस्था, एसबीआई ने सेना के रिटायर्ड 10 बैंककर्मियों की ड्यूटी लगाई

संवाददाता–अयोध्या। राम मंदिर के चढ़ावा चोरी मामले को लेकर चल रही एसआईटी की जांच के बीच व्यवस्थाएं अब तक स्थिर नहीं हो सकी है। अब एसओपी के अनुपालन में एसबीआई बैंक प्रबंधन ने नई व्यवस्था बनाई है। बैंक प्रबंधन ने इस बार पारदर्शी, ईमानदार पूर्ण व व्यवस्थित गणना सुनिश्चित कराने के लिए सेना के रिटायर बैंक कर्मियों का चुनाव किया है। एसबीआई की अलग–अलग शाखाओं में कार्यरत दस बैंक कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। मिली जानकारी के अनुसार गणना में 12 कर्मचारियों की जरूरत है। फिलहाल दस को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अतिरिक्त गणना कार्य की पूरी देखभाल के लिए एक प्रभारी भी नियुक्त किया गया है। क्लास टू लेवल के अफसर को सुपरविजन के लिए तैनात कर दिया गया है। बताया गया कि यह सभी बैंक के रेगुलर स्टाफ हैं।

दूसरी ओर बैंक प्रबंधन ने सिक्योरिटी सर्विस की सेवा समाप्ति के लिए एक सर्कुलर भी जारी कर दिया है। बताया गया कि इस एजेंसी से जुड़े तीन कर्मियों को रोक लिया गया है जिनकी जिम्मेदारी दानपात्रों को जिन पेटियों में खाली कराया जाता है। उन सभी पेटियों को गणना स्थल तक पहुंचाने और पुनः गणना के उपरांत सुरक्षित बैंक तक लाने ले जाने की है। इसके अलावा एजेंसी के शेष सभी कर्मियों को राम मंदिर से हटा दिया गया है। इसके पहले यहां सम्बन्धित एजेंसी के तीन दर्जन कर्मचारी कार्यरत थे। चढ़ावा चोरी के आरोप में जेल में निरुद्ध आठ आरोपियों में से छह आरोपी इसी एजेंसी के माध्यम से राम मंदिर के गणना कार्य में लगाए गए थे।

चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के बाद बैंक द्वारा अनुबंधित एजेंसी की पड़ताल में सामने आया कि इस एजेंसी के पास वित्तीय प्रबंधन का कोई अनुभव नहीं है। फिर भी बैंक के द्वारा राम मंदिर के चढ़ावे की धनराशि के प्रबंधन में शामिल कर दिया गया। इतना ही नहीं इन कर्मचारियों को अनेक प्रकार की छूट भी दी गई। उनके ऊपर निर्धारित ड्रेस कोड भी नहीं लागू किया गया और उन्हें मंदिर परिसर में पुलिस जांच से भी मुक्त रखा गया। इसका फायदा आरोपी कर्मचारियों ने उठाया और करोड़ों का गोलमाल कर दिया। इन कर्मचारियों की आपसी फुटमत से रहस्य से पर्दा उठा और यह लोग पकड़े गए व चोरी की धनराशि की बरामदगी भी उनकी निशानदेही पर राम मंदिर ट्रस्ट के तत्कालीन महासचिव चंपतराय ने करा ली। फिर भी प्राथमिकी दर्ज कराने में विलंब के कारण महासचिव चंपतराय के साथ ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र को त्यागपत्र देना पड़ा।

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com